दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7 | 3 महिला बाउंसर ने प्रेमी को मार डाला | 5 झुलसाएगी गर्मी | 8 गोद में टेडी लिए समरीन के साथ दिखे अर्शदीप

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 03, अंक: 48 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 25 मई, 2026

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ खुले मध्यमेश्वर धाम के कपाट, लौटी रौनक!

एक्ट्रेस-मॉडल दिशा शर्मा की डेडबॉडी का एक बार फिर पोस्टमॉर्टम होगा। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने इसके आदेश दिए हैं।

ओडिशा की एक युवती ने एक अमेरिकी युवक से की शादी

यूपी में प्रचंड गर्मी

भीषण गर्मी की चपेट में प्रदेश, 22 जिलों में तपिश और लू का अलर्ट, इन शहरो में पारा 45 के पार पहुंचा

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश के करीब दो तिहाई जिले तेज धूप, गर्म पुरवा हवाओं और उमस भरी गर्मी की चपेट में हैं। दिन के साथ रातें भी तपिश से बेहाल कर रही हैं। बांदा, प्रयागराज, झांसी और आगरा समेत छह जिलों में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। प्रदेश में सबसे अधिक तापमान बांदा में 46.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं हमीरपुर, चुर्क, मुरादाबाद और मेरठ में रात का तापमान भी सामान्य से काफी अधिक रहा, जिससे लोगों को रात में भी राहत नहीं मिल सकी। मौसम विभाग के अनुसार उमस भरी गर्मी के कारण ज्यादातर जिलों में हीट इंडेक्स बढ़ गया है, जिससे वास्तविक तापमान से ज्यादा गर्मी महसूस हो रही है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश में गर्मी के साथ पुरवाई हवाएं चल रही हैं। इससे वातावरण में नमी बढ़ने के कारण उमस और आभासी गर्मी ज्यादा महसूस हो रही है। मौसम विभाग ने बांदा, चित्रकूट, कौशांबी और प्रयागराज में भीषण लू और

अत्यधिक गर्मी का रेड अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा 18 जिलों में लू का ऑरेंज अलर्ट और 41 जिलों में गर्म रातों की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले तीन–चार दिनों तक भीषण गर्मी और लू से राहत मिलने के आसार नहीं हैं।

सर्वाधिक तापमान वाले जिले

बांदा– 46.4 डिग्री सेल्सियस
प्रयागराज–46.2 डिग्री सेल्सियस
झांसी– 45.4 डिग्री सेल्सियस
उरई– 45.4 डिग्री सेल्सियस
आगरा– 45.3 डिग्री सेल्सियस

इन जिलों में है लू का रेड अलर्ट

बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज व आस पास के क्षेत्र

यहां है लू का ऑरेंज अलर्ट

न्जजंत च्तंकमीरू ैमअमतम ीमंजूअम हतपचे ेजंजम, ीमंजूअम ंसमतज पेनमक पद 22 कपेजतपबजे जवकंलय जमउचमतंजनतमे म•बममक

भीषण लू – फोटो रू अमर उजाला

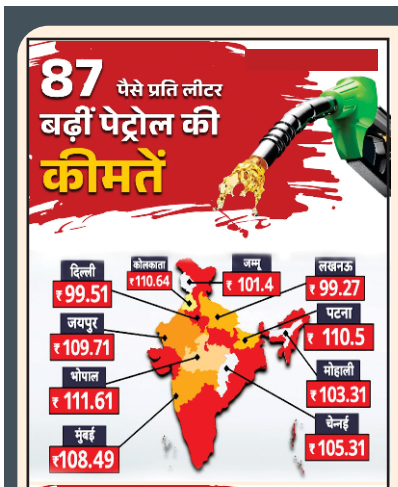

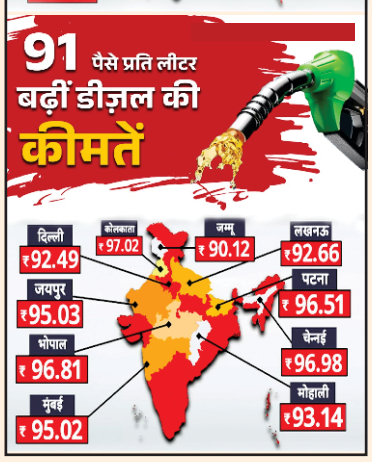

फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, भदोही, बागपत, गाजियाबाद, गौतम बुद्ध नगर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, आगरा, फिरोजाबाद, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर व आस पास के क्षेत्र।

10 दिन में तीसरी बार बढ़े तेल के दाम, पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे महंगा

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने पीएम नरेंद्र मोदी से की मुलाकात, बंगाल के विकास पर हुआ महा-मंथन

जब माता-पिता IAS अधिकारी, तो बेटा-बेटी को आरक्षण क्यों मिले? सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

घुसपैठ पर जीरो टॉलरेंस अमित शाह ने 'स्मार्ट बॉर्डर' परियोजना की घोषणा की

बृजभूषण, राजा भैया, धनंजय-अब्बास को कैसे मिली सुरक्षा और शस्त्र लाइसेंस? बाहुबलियों की आपराधिक कुंडली तलब

प्रयागराज,संवाददाता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बृजभूषण, राजा भैया, धनंजय और अब्बास को कैसे मिला शस्त्र लाइसेंस कैसे मिला? HC ने की बाहुबलियों की आपराधिक कुंडली तलब की है। इसके साथ ही सरकारी सुरक्षा की जानकारी भी मांगी है। हाईकोर्ट ने सरकार से बाहुबलियों का ब्योरा मांगा है। प्रदेश सरकार ने इलाहाबाद हाईकोर्ट को बताया कि सूबे में 10 लाख से ज्यादा शस्त्र लाइसेंसधारी हैं, जिसमें 6062 लोग दागी हैं। इससे हैरान कोर्ट ने उन बाहुबलियों की आपराधिक कुंडली और उन्हें मिली सरकारी सुरक्षा का ब्योरा तलब किया है, जिनका नाम सरकारी हलफनामे में गुम है। इनमें अब्बास अंसारी, बृजभूषण सिंह, राजा भैया समेत कई लोग हैं।

यह आदेश न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की एकल पीठ ने संतकबीर नगर निवासी जय शंकर की याचिका पर दिया है। इससे पहले गन कल्चर से चिंतित कोर्ट ने प्रदेश में शस्त्र लाइसेंस के आवंटन, नवीनीकरण और नियमों की अनदेखी को लेकर मंडलवार जारी शस्त्र लाइसेंस की जानकारी मांगी थी।

कोर्ट ने लखनऊ जोन और लखनऊ कमिश्नरेट के इन लोगों की मांगी कुंडली

खान मुबारक, अजय प्रताप सिंह उर्फ अजय सिपाही, संजय सिंह सिंघाला, अतुल वर्मा, मोहम्मद साहिब, सुधाकर सिंह, गुड्डू सिंह, अनूप सिंह, लल्लू यादव, बच्चू यादव, जुगनू वालिया उर्फ हरविंदर।

हाईकोर्ट ने बाहुबलियों का मांगा ब्योरा

इन प्रभावशाली व्यक्तियों के लाइसेंसों की जांच के आदेश

रघुराज प्रताप सिंह (राजा भैया), धनंजय सिंह, सुशील सिंह, बृजभूषण शरण सिंह, विनीत सिंह, अजय मरहाद, सुजीत सिंह बेलवा, उपेंद्र सिंह गुड्डू, उदय भान सिंह समेत कई के शस्त्र लाइसेंस की जांच के आदेश दिए गए हैं।

लाइसेंसी शस्त्रों की तैयार की खेप...ताकि कायम रहे दबदबा और दहशत

प्रदेश के कई बाहुबली, उनके करीबी–रिश्तेदार और कुछ माफिया ने लाइसेंसी शस्त्रों की खेप ले रखी है। ये सिर्फ इसलिए जिससे उनका दबदबा कायम रहे और उनकी दहशत रहे। इसको वह अपने मान सम्मान से भी जोड़ते हैं। जान का खतरा बताकर तमाम आपराधिक मामले दर्ज होने के बावजूद एक व उससे अधिक लाइसेंसी शस्त्र ले रखे हैं। दरअसल हाईकोर्ट ने अब्बास अंसारी, बृजभूषण सिंह और राजा भइया समेत कई की आपराधिक कुंडली तलब की है। सरकार की तरफ से दाखिल किए गए हलफनामे में बताया गया है कि प्रदेश में 10 लाख से अधिक शस्त्र लाइसेंस हैं, इसमें से 6062 दागी हैं। मतलब इन पर आपराधिक केस दर्ज हैं। इसके बावजूद उनको लाइसेंस मिले हैं।

कोर्ट की चेतावनी

कोर्ट ने स्पष्ट चेतावनी दी है। कहा है कि सभी जिलों के कप्तान और पुलिस कमिश्नर जानकारी पेश करते वक्त यह लिखित अंडरटेकिंग देंगे कि कोई भी जानकारी छिपाई नहीं गई है। यदि कोई तथ्य छिपाया गया तो संबंधित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे। इसे कर्तव्य के प्रति जानबूझकर की गई लापरवाही माना जाएगा।

हथियारों के प्रदर्शन से आत्मरक्षा नहीं, भय झलकता हैरू हाईकोर्ट

कोर्ट ने कहा कि हथियारों का सार्वजनिक प्रदर्शन भले ही दबदबा, ताकत और सुरक्षा का भ्रम पैदा करता हो पर यह अक्सर सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ता है। आम जनता में भय व असुरक्षा की भावना पैदा करता है। खुलेआम हथियार लेकर चलना भले ही आत्मरक्षा के नाम पर सही ठहराया जाए, लेकिन जब ये डराने–धमकाने का जरिया बन जाते हैं तो इनसे सुरक्षा नहीं, बल्कि खौफ पैदा होता है। ऐसा समाज जहां हथियारबंद लोग बलपूर्वक अपना दबदबा कायम करते हैं, वह शांतिप्रिय नहीं हो सकता।

सम्पादकीय

प्रधानमंत्री 'गद्दार' नहीं

राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। दूसरा सबसे महत्वपूर्ण और संवैधानिक पद..! प्रोटोकॉल और राजनीति के लिहाज से नेता प्रतिपक्ष को 'छाया प्रधानमंत्री' माना जाता है। प्रधानमंत्री के बाद नेता विपक्ष के संसदीय दल के पक्ष में ही सर्वाधिक जनादेश होता है, लिहाजा इस सम्मान, प्रतिष्ठा की गरिमा रखी जानी चाहिए, लेकिन देश के तीसरी बार निर्वाचित प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को सार्वजनिक तौर पर 'गद्दार' कहकर राहुल गांधी ने 'लाल लकीर' पार कर दी है। जब प्रधानमंत्री मोदी विदेश में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हों और नेता प्रतिपक्ष उन्हें 'गद्दार' करार दें, तो भारत भी अपमानित हुआ है। प्रधानमंत्री कभी भी 'गद्दार' नहीं हो सकते, क्योंकि उन्हें जनादेश हासिल है, बेशक आप उनका नीतिपरक विरोध कर सकते हैं। राहुल के 'गद्दार' अपशब्द से देश की 147 करोड़ से अधिक आबादी भी अपमानित हुई है। यकीनन यह निंदनीय, शर्मनाक, असंसदीय, असंवैधानिक और अमर्यादित अपशब्द है। हम भी मानते हैं और बराबर विश्लेषण कर रहे हैं कि देश में आर्थिक, तेल, खाद के संकट हैं, किल्लत है, लेकिन कोई 'आर्थिक तूफान' आ रहा है, इससे हम सहमत नहीं हैं। यदि विपक्ष के नेता के तौर पर राहुल गांधी के भीतर गुस्सा, आक्रोश है, किसान, युवा, महिलाएं, मजदूर, छोटे व्यापारी वाकई रो रहे हैं, तो प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और आरएसएस को 'गद्दार' की गाली देने के बजाय उन्हें जन–आंदोलन खड़ा करने का आह्वान करना चाहिए था। विपक्षी नेता राहुल गांधी 'वैकल्पिक आर्थिक हालात' का प्रारूप देश के सामने पेश कर सकते थे, लेकिन वह 'तू–तड़ाक' की भाषा पर उतर आए। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री के लिए अपमानजनक भाषा में कहा– 'एक दिन प्रधानमंत्री टीवी पर आएगा और फिर रोयेगा। जिस तरह कोविड में रोया था, उसी तरह फिर रोयेगा और देश से माफी मांगेगा।' यह एक राष्ट्रीय, लोकतांत्रिक नेता की भाषा नहीं है, बल्कि राहुल की सामंतवादी सोच ऐसा बुलवा रही है। इसी सोच के मद्देनजर उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के लिए 'चौकीदार चोर है' जुमला 2019 में उछाला था।

उस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस किस रसातल तक लुढक आई थी, राहुल गांधी को आज भी याद होगा। देश के युवा प्रधानमंत्री मोदी को डंडे मारेंगे, यह भी सार्वजनिक बयान दिया था। राहुल ने प्रधानमंत्री को 'पनौती' और सैनिकों के 'खून की दलाली' करने वाला भी कहा था। राहुल की यह जुबान लगातार चुनाव हारने की कुंठा और हताशा हो सकती है, लेकिन नियंत्रण खुद राहुल गांधी को करना है। आज वह नेता प्रतिपक्ष हैं। कल ऐसे राजनीतिक समीकरण बन सकते हैं कि समूचा विपक्ष उन्हें 'प्रधानमंत्री का उम्मीदवार' घोषित कर दे, लिहाजा उन्हें 'आदतन अपशब्दों' के आचरण से बचना होगा और अपने व्यक्तित्व, बयानों, आह्वानों को गंभीर, तार्किक, देशहित में करना होगा। देश तभी उन्हें 'वैकल्पिक प्रधानमंत्री' के रूप में देखना शुरू कर सकता है। सिर्फ मोदी–विरोध की नफरती सियासत से वह कभी भी प्रधानमंत्री नहीं बन सकते, यह हमारा मूल्यांकन और विश्लेषण है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने भी प्रधानमंत्री के लिए 'जहरीला सांप' और '100 सिर वाला रावण' अपशब्दों के इस्तेमाल किए थे। ऐसा कांग्रेस और उसके नेताओं के लिए 'आदतन' नहीं है, दरअसल वे प्रधानमंत्री मोदी से नफरत करते हैं और 12 साल की सत्ता के बावजूद 'आपका प्रधानमंत्री' करार देते हैं। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि यदि संघ के लोग आपके पास आएं और मोदी–शाह की बात करें, तो उनसे कहिए कि आपके प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और संगठन 'गद्दार' हैं। उन्होंने हिंदुस्तान बेचा है। हमारे संविधान, अंबेडकर जी, गांधी जी पर हमले किए हैं। देश और संविधान किसे बेचा है? देश आज भी मौजूद है और उसकी लोकसभा में राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हैं। कांग्रेस के भीतर एक जमात ऐसी भी है, जिसके कुछ नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी के लिए 'नीच', 'दानव', 'यमदूत', 'भस्मासुर', 'बिच्छू', 'सांप', 'अनपढ़', 'बंदर', 'राक्षस' सरीखे अपशब्दों का प्रयोग किया है। इनसे उन्हें और पार्टी को तो कोई राजनीतिक फायदा नहीं हुआ। दरअसल राहुल गांधी 22 लंबे सालों से सांसद होने के बावजूद यह सामान्य–सी बात समझ नहीं पाए हैं कि राजनीति की अपनी भाषा होती है, आलोचना–निंदा के ये मायने नहीं होते कि गालियां दी जाएं। उन्होंने अपने लिए एक आवरण बना रखा है, एक मिथ गढ़ रखा है, उसी के भीतर वह आचरण करते रहे हैं। किसी को गद्दार कहने से देश का भला होने वाला नहीं है। इसके बजाय राहुल को महंगाई और बेरोजगारी जैसे मसले उठाने चाहिएं तथा समस्याओं के समाधान पेश करने चाहिएं।

फिर से न उभरने पाएं माओवादी

माओवाद का जहर निकालने के बाद मोदी सरकार अब प्रभावित इलाकों की सुरक्षा और वहां विकास सुनिश्चित करने में जुट गई है। बीते दिनों बस्तर में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने यहां विकास न पहुंचने का कारण माओवाद को बताते हुए कहा कि गैर–भाजपा सरकारों ने तो माओवाद मुक्त अभियान में हमारा सहयोग किया, लेकिन कांग्रेस की सरकार ने नहीं किया। इस पर विचार करना आवश्यक है कि 1960 के दशक में बंगाल के नक्सलबाड़ी से उठा ये बवंडर कैसे 14 राज्यों के लगभग 150 जिलों तक फैल गया? कैसे माओवादी तिरुपति से लेकर पशुपतिनाथ तक लाल गलियारा बनाने में जुटे? आखिर वे कौन सरकारें थीं, जिन्होंने हजारों निर्दोष लोगों की हत्याएं करने वाले माओवादियों को फलने–फूलने दिया और उन्हें बिगड़ैल बच्चा कहकर आगे बढ़ाया?

यह अकारण नहीं है कि पीएम मोदी कांग्रेस को माओवाद समर्थक बताते हैं। कांग्रेस का इतिहास माओवाद के समर्थन का भी रहा है। वह माओवाद को एक सामाजिक–आर्थिक समस्या बताती रही। इसी के चलते 1970–80 के दशक में माओवादी फैलते चले गए। 1990 के दशक की शुरुआत में माओवादियों ने जब छत्तीसगढ़ में बस्तर के साथ ओडिशा, आंध्र और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों को मिलाकर दण्डकारण्य आदिवासी राज्य बनाने के लिए हिंसक गतिविधियां तेज कीं, तब भी कांग्रेस की सरकारें निष्क्रिय बनी रहीं। इस दौरान सैकड़ों जवान बलिदान हुए और निर्दोष नागरिक मारे गए। आंध्र की वाइएसआर रेड्डी की कांग्रेस सरकार ने तो 2004 में पीपुल्स वार ग्रुप से समझौता वार्ता तक कर ली थी। हालांकि टीडीपी का रुख खिलाफ रहा। 2003 में माओवादियों ने तत्कालीन मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू पर हमला भी किया था।

एक समय माओवादियों ने दक्षिण में अपना जंक्शन बना लिया था, जिसे वे केकेटी जोनल कमेटी कहते थे। केकेटी यानी केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु। दक्षिण में माओवादियों का कितना असर था, इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उन्होंने यहीं आइईडी ब्लास्ट की तकनीक लिट्टे से सीखी थी। माओवादियों ने कांग्रेस को भी घाव दिए। 2013 में छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले की झीरम घाटी में उन्होंने घात लगाकर हमला किया, जिसमें राज्य कांग्रेस का लगभग पूरा नेतृत्व खत्म हो गया। इसके बाद कांग्रेस का रुख थोड़ा बदला, पर 2018 से 2023 तक छत्तीसगढ़ की बघेल सरकार ने माओवादियों के खिलाफ वैसा अभियान नहीं छेड़ा, जैसा आवश्यक था।

जब बीती 31 मार्च माओवाद के खात्मे की डेडलाइन थी, तब तेलगांना की कांग्रेस सरकार ने कहा कि राज्य में किसी माओवादी का एनकाउंटर नहीं होगा। यही वजह रही कि देश के दूसरे हिस्सों में जब माओवादियों का एनकाउंटर हो रहा था, तब तेलंगाना से एक भी बड़े एनकाउंटर की खबर नहीं आई। छत्तीसगढ़ में आपरेशन के दौरान माओवादी भागकर तेलंगाना के जंगलों में शरण ले रहे थे, इसलिए वहां से सिर्फ माओवादियों के सरेंडर की खबरें आईं। माओवादियों के खिलाफ देश के अलग–अलग हिस्सों में अभियान चल रहे थे, लेकिन संघर्ष क्षेत्र बस्तर यानी दण्डकारण्य और अबूझमाड़ का जंगल था। इसी दण्डकारण्य से तेलंगाना, आंध्र, ओडिशा की सीमा लगती हैं। यहां माओवादियों का जोर था। अबूझमाड़ से गढ़चिरौली–महाराष्ट्र की सीमा लगती है, जिसे पिछले सप्ताह आपरेशन अंतिम प्रहार के बाद आधिकारिक रूप से माओवाद से मुक्त घोषित किया गया।

अकेली कांग्रेस ही माओवादियों के प्रति नरम नहीं थी। अनेक ऐसे समूह भी थे, जो उनसे सहानुभूति रखते थे। 2003 में छत्तीसगढ़ में जब रमन सिंह की भाजपा सरकार आई तो पुलिस और अर्धसैनिक बलों को गुरिल्ला युद्ध का प्रशिक्षण देने के लिए नगालैंड आर्म्ड फोर्स की बटालियन बस्तर बुलाई गई। उसने बीजापुर के सलवा जुडूम के साथ मिलकर माओवादियों पर जबरदस्त दबाव बनाया। सलवा जुडूम ग्रामीणों का समूह था, जो माओवादियों के खिलाफ उठ खड़ा हुआ था। 2005 से 2007 के बीच नगा बटालियन ने माओवादियों की जड़ें हिला दी थीं।

माओवाद समर्थकों से यह देखा नहीं गया। वामपंथियों ने छत्तीसगढ़ में नगा बटालियन भेजे जाने पर खूब हाय–तौबा मचाई। आखिर 2007 में उसे वापस बुला लिया गया। इससे माओवादियों का हौसला बढ़ा। उन्होंने 2007 में बीजापुर के रानी बोडली गांव में पुलिस कैंप पर हमला कर उसमें आग लगा दी, जिसमें 55 जवान जिंदा जल गए। 2010 में सुकमा के तारमेटला में माओवादियों ने हमला किया, जिसमें सीआरपीएफ के 76 जवान बलिदान हो गए। 2010 ऐसा साल रहा, जिसमें सबसे ज्यादा हिंसा हुई। सलवा जुडूम को भी माओवादी समर्थकों ने चलने नहीं दिया। सुप्रीम कोर्ट में इसके खिलाफ याचिका दायर की गई। 2011 में सुप्रीम कोर्ट के जज बी. सुदर्शन रेडडी ने सलवा जुडूम को अवैध ठहरा दिया। गत वर्ष कांग्रेस ने इन्हीं सुदर्शन रेडडी को उपराष्ट्रपति पद का प्रत्याशी बनाया। शायद इसी कारण गृहमंत्री अमित शाह ने यह कहा कि आदिवासियों को दशकों तक गुमराह करने और खूनी खेल खेलने वाले लोग अब हार मान चुके हैं, पर वे शांत नहीं बैठेंगे। वे भेष बदलकर फिर से आ सकते हैं। साफ है कि इसके प्रति सतर्क रहना होगा कि माओवादी फिर सिर न उठाने पाएं।

मौसम का आक्रमण

तपते सूरज ने हिमाचल के परिवेश को लांघते हुए, गर्मी का जबरदस्त एहसास ही नहीं कराया, बल्कि पहाड़ों की रानी शिमला के गाल भी लाल कर दिए हैं। ऊना के तापमान में बढ़ोतरी को देखते हुए वहां 44 डिग्री सेल्सियस के नीचे तमाम बाधाएं और जीवन की सख्त परीक्षाएं शुरू हुई हैं। सिर्फ एक डिग्री पीछे बद्दी भी चुनौतियों का पिंड बना है। गर्मी की लहरें पांवटा साहिब, सोलन, बिलासपुर होते हुए समूचे प्रदेश को आहत किए हुए हैं, तो इसका असर जीवन और आर्थिकी पर भी पड़ रहा है। किसान, बागबान, छात्र समुदाय और उपभोक्ता परेशान हैं, तो इस परिस्थिति के लिए भी हम सभी जिम्मेदार हैं। भीषण गर्मी के आंचल में हिमाचल की शून्यताएं, लापरवाही और संवेदनहीनता दर्ज हो रही है। यहां मैदान से पहाड़ तक अगर तापमान हैरत में डाल रहा है, तो पर्वतीय परिवेश को कब्रगाह बनाने में हम ही दोषी हैं। कुछ नीतियों और विकास के प्रति हमारी भौतिक दृष्टि ने प्रकृति से असंतुलन पैदा कर दिए हैं।

नतीजतन हम 68 प्रतिशत वन भूमि घोषित करके भी हवाओं का रुख गर्म कर रहे हैं या वनों की छांव से महरूम रह गए। विडंबना यह है कि चीड़ के जंगल उगाता रहा वन विभाग यह तय नहीं कर पाया कि इसके पेड़ सिर्फ गर्मियों के मौसम में पतझड़ करके चारों तरफ आग ही सुलगाएंगे। पहाड़ से चीड़ का रिश्ता केवल आंकड़ों में अच्छा साबित होता रहा। वन विभाग ने सत्तर के दशक से जिस वनीकरण को अपनाया, वह आज सूखे ठूंठ की तरह गर्मियों में माचिस की तीली बन रहा है। अभी खबरें इतनी भयंकर नहीं हुईं, लेकिन पैंतीस डिग्री के ऊपर जब सूरज जंगलों को तपाएगा, तो परिवेश माचिस की डिब्बी बन जाएगा। वनों से हमारे मौसम के रिश्ते को सुदृढ़ करने के लिए चौड़ी पत्ती के पौधों को माकूल परवरिश चाहिए।

हमारे पड़ोसी राज्य उत्तराखंड ने अदालती लड़ाई लड़ते हुए चीड़ के जंगलों को अलविदा कहने का रास्ता चुना और कुछ सफलता हासिल भी की। इसी तरह वन संरक्षण के मायने जंगल में चीड़ के पौधे गिनना नहीं, बल्कि परिवेश संरक्षण का नारा बुलंद करना होगा। हिमालयी हिमनद, ग्लेशियर, झीलों तथा नदी–नालों के लिए अगर परिवेश संरक्षण की अवधारणा व नीति–नियम सुदृढ़ नहीं होंगे, तो मौसम के आक्रमण हमारे जीने की छतरी को बर्बाद कर देंगे। हिमाचल में बढ़ती गर्मी का प्रकोप शिक्षा, कृषि–बागबानी, सिंचाई–जलापूर्ति और विद्युत आपूर्ति तक पहुंच गया है। ऐसे में सर्वप्रथम स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति को सुरक्षित करने के लिए समायावधि के अलावा अन्य बचाव व राहत के उपायों पर जोर देना चाहिए। इसी तरह कृषि और बागबानी की जरूरत में जल संग्रहण और वितरण पर नए उपायों पर गौर करना होगा। विडंबना यह है कि हिमाचल का सारा जल हमने बड़ी बांध परियोजनाओं को देकर यह नहीं सोचा कि हमें सिंचाई व जलापूर्ति के लिए स्थायी बांध बनाने होंगे। हमारी गर्मी, हमारी बरसात का अलार्म है और भारी बरसात–अति सर्दी की सूचना बन जाते हैं। अतरू मौसमों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को देखते हुए हमारे कृषि–बागबानी विश्वविद्यालयों को नवाचार, तकनीक व उपयुक्त बीजों के लिए अनुसंधान के पैमाने बदलने होंगे। शिक्षा विभाग को भी गर्मी–बरसात और सर्दी के बदलते पैमानों के अनुरूप छुट्टियों के कैलेंडर दुरुस्त करने की जरूरत है।

कोचिंग संस्कृति की चपेट में शिक्षा

मेडिकल कालेजों में प्रवेश की परीक्षा नीट के पेपर लीक कांड ने सभी को दुखी और चिंतित किया है। नीट पेपर लीक कांड ने बताया कि किस तरह पैसा, बढ़ते लालच और अयोग्य होकर भी योग्य छात्रों की सीट छीनने की चाहत के त्रिकोण ने ऐसी घटनाओं को जन्म दिया है। इसी त्रिकोण ने मेडिकल, इंजीनियरिंग और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ–साथ लिपिक पद की परीक्षाओं तक के लिए भी देश भर में कोचिंग का जाल खड़ा कर दिया है। देश में अनेक कोचिंग हब बन गए हैं। आनलाइन–आफलाइन के कोचिंग तंत्र विकसित हो गए हैं और कोचिंग व्यवसाय एक इंडस्ट्री का रूप ले चुका है। यह इंडस्ट्री अब अत्यंत समर्थ और शक्तिवान हो गई है। इसका टर्नओवर छह मिलियन डालर का हो गया है। आने वाले वर्षों में इसके 17 मिलियन डालर हो जाने की संभावना है। इस इंडस्ट्री में प्रतिवर्ष लगभग 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जा रही है। जिस व्यवसाय में इतना अपार धन निहित हो, वह किसी भी फूलप्रूफ सिस्टम में छेद कर पेपर लीक करा सकता है। नीट पेपर लीक कांड में गिरफ्तार कुछ लोग कोचिंग व्यवसाय से भी जुड़े हैं।

वास्तव में हर सिस्टम में ऐसे लोग होते हैं, जिनमें लालच अपना फन छुपाए प्रवेश कर जाता है। इसीलिए हाल में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पेपर लीक को एक सामाजिक बुराई कहा। ऐसी सामाजिक बुराई के खिलाफ सरकार और समाज, दोनों को साथ आकर काम करना होगा। सरकार अपनी व्यवस्था को दुरुस्त करने में तो लगी ही है, लोगों को भी खुद एक नैतिक समाज में तब्दील होना होगा। मेडिकल कालेजों की सीट में हेराफेरी में अनेक स्तरों पर कमीशनखोर एजेंट्स, कंसलटेंट नुमा दलालों और पेपर लीक करने वालों का जाल फैला हुआ है। यह बड़े शहरों से लेकर कस्बों तक फैल गया है। 1980 के दशक में जब हम स्कूली छात्र थे तो कोचिंग संस्थानों का जाल इतना नहीं फैला था। तब सरकारी स्कूल बेहतर स्थिति में थे और कमजोर छात्रों के लिए ही कोचिंग आवश्यक मानी जाती थी। 1990 के दशक के बाद सरकारी स्कूल व्यवस्था कई जगह पर कमजोर हुई। इसका लाभ शिक्षा को व्यवसाय मानने वालों ने उठाया। यह वही दौर था जब भारत में मध्य वर्ग का कई गुना विस्तार हुआ। नव उदारवादी अर्थव्यवस्था के आने के बाद जब बाजार आक्रामक हुआ तो उसने शिक्षा और परीक्षा को भी अपनी चपेट में ले लिया। इसी समस्या को देखते हुए मोदी सरकार ने जो नई शिक्षा नीति बनाई, उसमें शिक्षा मंत्रालय का सबसे ज्यादा जोर शिक्षा के माध्यम से ऐसा नैतिक मानस सृजित करना है, जो परंपरा से जुड़ा हुआ आधुनिक नवाचारी नागरिक हो। शिक्षा मंत्रालय ने इस बार जैसे ही नीट पेपर लीक की खबर आई, त्वरित निर्णय लेते हुए उसे निरस्त किया और जांच सीबीआइ को सौंप दी। इसके साथ ही परेशान छात्रों के लिए आर्थिक एवं व्यवस्थागत सहयोग की कई घोषणाएं कीं। शिक्षा मंत्रालय का यह कदम योग्य छात्रों के हक पर अयोग्य एवं अनैतिक शक्तियों के कब्जा करने की रणनीति के खिलाफ एक सख्त पहल के रूप में भी देखा जाना चाहिए। यह कदम अनैतिक शक्तियों के मंसूबों पर पानी फेरने वाला है। पिछली बार जब ऐसी घटना हुई थी तो शिक्षा मंत्रालय ने कई सुधारात्मक कदम उठाए थे।

पीएम मोदी के विजन में बना स्पोर्ट्स का शानदार ईको सिस्टम, गोरखपुर में बोले सीएम योगी

गोरखपुर,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामगढ़ताल में 46वीं जूनियर नेशनल रोइंग चौंपियनशिप के समापन पर विजेताओं को पुरस्कृत किया। सीएम ने कहा कि पीएम मोदी के विजन से प्रदेश में स्पोर्ट्स का शानदार इकोसिस्टम विकसित हुआ है, रामगढ़ताल अब वाटर स्पोर्ट्स का हब बन रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 21 मई को 46वीं जूनियर नेशनल रोइंग चौंपियनशिप के समापन समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन से देश और उत्तर प्रदेश में पिछले 11–12 वर्षों में खेल का बेहतरीन इकोसिस्टम विकसित हुआ है। सरकार खिलाड़ियों के प्रशिक्षण और प्रोत्साहन के लिए हर कदम तत्परता से खड़ी है। मुख्यमंत्री ने विजेताओं को पुरस्कृत भी किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि स्पोर्ट्स के क्षेत्र में विकसित हुए बेहतरीन इकोसिस्टम का परिणाम रामगढ़ताल है। 2017 के पहले यह गंदगी और अपराध का गढ़ था। आज यहां रोइंग की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के साथ एशियाड प्रशिक्षण शिविर भी संभव हुए हैं। उन्होंने युवाओं को अपनी ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करने को प्रेरित किया। खिलाड़ी हमेशा सकारात्मक सोच और टीम भावना से कार्य करता है। सीएम योगी ने श्चरैवेति–चरैवेतिश को जीवन का मंत्र बताया। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में खेल सुविधाओं का अभाव था। अब हर गांव में खेल के मैदान, ब्लॉक और जिला स्तर पर स्टेडियम विकसित हो रहे हैं। खेलो इंडिया खेलो जैसे कार्यक्रमों से खेल गतिविधियां तेजी से आगे बढ़ी हैं। वाराणसी और गोरखपुर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण किया जा रहा है।

रामगढ़ताल वाटर स्पोर्ट्स की नई पहचान

मुख्यमंत्री ने कहा कि रामगढ़ताल वाटर स्पोर्ट्स के हब के रूप में नई पहचान बना चुका है।

भारत आज विश्व मानचित्र पर एक मजबूत रोइंग शक्ति के रूप में उभरा है। 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए महिला टीम के प्रशिक्षण हेतु रामगढ़ताल को चुना गया है। प्रशासन को खिलाड़ियों के प्रशिक्षण हेतु सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा गया। उत्तर प्रदेश में गंगा, यमुना, सरयू जैसी नदियों पर वाटर स्पोर्ट्स की समृद्ध संभावना है। बलिया, प्रयागराज, वाराणसी जैसे शहरों में इन गतिविधियों को आगे बढ़ाया जा सकता है।

खिलाड़ियों का प्रोत्साहन

सीएम योगी ने बताया कि उनकी सरकार ने उत्तर प्रदेश में नई खेल नीति विकसित की है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के पदक विजेताओं को नौकरी की गारंटी दी गई। ओलंपिक, एशियाड, कॉमनवेल्थ आदि में पदक विजेता 534 खिलाड़ियों की सीधी भर्ती की गई है। ये नियुक्तियां पुलिस, राजस्व और अन्य विभागों में हुई हैं। 500 और खिलाड़ियों को सीधी भर्ती के जरिए नौकरी देने का कार्य शुरू किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों में कोई खेल नीति नहीं थी। गोरखपुर के रामगढ़ताल में 46वीं जूनियर नेशनल रोइंग चौंपियनशिप में 20 राज्यों के लगभग 300 खिलाड़ियों ने भाग लिया। बालिका वर्ग में मध्य प्रदेश ओवरऑल चौंपियन बना। बालक वर्ग की चौंपियनशिप पर आर्मी बॉयज स्पोर्ट्स कंपनी की टीम ने आधिपत्य जमाया। मुख्यमंत्री ने इन टीमों और पदक विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने सीएम योगी के नेतृत्व में खेल प्रोत्साहन की सराहना की।

सांसद रविकिशन शुक्ल ने गोरखपुर में स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर के तेजी से विकास पर जोर दिया।

जनता दर्शन–जन समस्याओं के निस्तारण में शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी

सीएम योगी के अधिकारियों को निर्देश

गोरखपुर,संवाददाता। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए शीघ्रता से समस्या समाधान के लिए निर्देशित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में आए लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि सबकी समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का निस्तारण तत्परता, पारदर्शिता और संवेदनशील ढंग से किया जाए। इसमें किसी भी तरह की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक होना चाहिए।

गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए शीघ्रता से समस्या समाधान के लिए निर्देशित किया। सीएम योगी ने अधिकारियों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी शीघ्रता से सहायता की जानी चाहिए। उन्होंने राजस्व और पुलिस से जुड़े मामलों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए कई लोगों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पैसे के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी।

गोरखपुर में सीएम योगी ने रामगढ़ताल में की क्रूज सवारी

गोरखपुर,संवाददाता। जूनियर नेशनल रोइंग चौंपियनशिप के समापन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनप्रतिनिधियों के साथ रामगढ़ताल में लेक क्वीन क्रूज की सवारी की।

लहरों पर भ्रमण के दौरान उन्होंने ताल की स्वच्छता का जायजा लिया और विकसित पर्यटन स्थल के रूप में इसकी नई पहचान देखी। जूनियर नेशनल रोइंग चौंपियनशिप के समापन पर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार शाम जनप्रतिनिधियों के साथ नैसर्गिक रामगढ़ताल में लेक क्वीन क्रूज की सवारी की।

करीब 25 मिनट तक क्रूज पर सवार होकर मुख्यमंत्री निखरे ताल की लहरों के स्पंदन की आनंदानुभूति करने के साथ गोरखपुर की नई विकसित पहचान को ताल के किनारे उमड़ी भीड़ से महसूस करते रहे। ताल की लहरों पर भ्रमण करने के दौरान सीएम ने इस विशाल प्राकृतिक झील की साफ सफाई का भी जायजा लिया। रामगढ़ताल के कायाकल्प का श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जाता है। उनके विजन से निखरा–संवारा रामगढ़ताल न केवल नए गोरखपुर की नई पहचान बन चुका है बल्कि इसकी गिनती अब इस अंचल के खूबसूरत पर्यटन स्थल के रूप में भी होती है।

पर्यटन विकास के साथ यहां बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन हुआ है। इस ताल में बड़े महानगरों की तर्ज पर क्रूज और फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का भी संचालन हो रहा है। साथ ही ताल में वाटर स्पोर्ट्स की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं ने इसे नेशनल फेम दिला दिया है।

जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप में पुरस्कार वितरण करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लेक क्वीन क्रूज पर पहुंचे।

यहां उन्होंने क्रूज की सवारी के बीच ताल की स्वच्छता का भी निरीक्षण किया। उनके साथ कई जनप्रतिनिधि भी मौजूद थर। उन्होंने जनप्रतिनिधियों के साथ फोटो भी खिंचवाई।

महिला बाउंसर ने प्रेमी को मार डाला

आधी रात में वारदात, अर्धनग्न हालत में था शव, युवक के फोन में है ऐसा वीडियो

कुशीनगर,संवाददाता। मेले में शैलेश शुक्ल की बुधवार रात बाउंसर आरती अहिरवार ने गला दबाकर हत्या कर दी। शैलेश उसे अश्लील वीडियो से ब्लैकमेल करता था। पुलिस ने आरती को हिरासत में लिया। पुरानी बर्फ फैक्टरी के सामने लगे मेले में काम करने वाले सेवरही थाना क्षेत्र के पिपरा मुस्तकिल अगरवा गांव के शुक्ल टोला निवासी 34 वर्षीय शैलेश शुक्ल की उसकी बाउंसर महिला ने गला दबाकर बुधवार की रात हत्या कर दी। भागते समय गश्त कर रही पुलिस ने हिरासत में ले लिया। आरोपी बाउंसर गाजियाबाद की रहने वाली है। एक ही कंपनी में काम करने के दौरान दोनों में संबंध था। पुलिस ने युवक का अर्धनग्न शव कब्जे में ले लिया। युवती से पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में युवक के गले की हड्डी टूटने की बात कही गई है।शैलेश शुक्ल लंदन ब्रिज मेले में काम करते थे। उसी मेले में गोविंदपुरम, थाना बापूधाम, जिला गाजियाबाद की आरती अहिरवार भी काम करती थी। लंबे समय से एक साथ काम करने के दौरान दोनों में नजदीकियां बढ़ गईं।

बुधवार की रात दोनों में विवाद हो गया। शैलेश के साथ काम करने वाले साथियों ने बताया कि दोनों ने पहले काफी अच्छे से बातचीत की फिर किसी बात को लेकर कहासुनी हुई। लोगों ने समझा यह इन दोनों के बीच का मामला है, खुद सुलझा लेंगे। रात में करीब 1:30 बजे दोनों ने साथ खाना भी खाया। फिर सोने चले गए। माना जा रहा है कि उसके बाद आरती ने शैलेश की गला दबाकर हत्या कर दी और वहां से जाने की कोशिश कर रही थी, तभी गश्त कर रही पुलिस ने उसे संदेह के आधार पर हिरासत में ले लिया।

पूछताछ की तो उसने सच्चाई उगल दी। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि मृतक शैलेश शुक्ल ने मोबाइल फोन में आरती अहिरवार का अश्लील वीडियो बना लिया था।

सीएम योगी के सामने यूपी टीम ने 36 साल बाद जीता स्वर्ण, क्वाड्रपल स्कल में किया कमाल

गोरखपुर,संवाददाता। 46वीं जूनियर नेशनल रोइंग चौंपियनशिप में रामगढ़ताल पर यूपी की बालक क्वाड्रपल स्कल टीम ने 36 वर्ष बाद स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। गोरखपुर का रामगढ़ताल गुरुवार को उत्तर प्रदेश रोइंग के इतिहास में सुनहरे अध्याय का साक्षी बना। 46वीं जूनियर नेशनल रोइंग चौंपियनशिप के आखिरी दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में मेजबान उत्तर प्रदेश की बालक क्वाड्रपल स्कल टीम ने 36 साल के सूखे को खत्म किया और स्वर्ण जीता।

इस वर्ग के फाइनल में जैसे ही यूपी के रोइंग खिलाड़ियों की नाव ने फिनिशिंग लाइन पार की, पूरा रामगढ़ताल मुख्यमंत्री की मौजूदगी में तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने खुद इस रोमांचक मुकाबले का गवाह बनते हुए खिलाड़ियों के इस ऐतिहासिक प्रदर्शन की सराहना की और उनका हौसला बढ़ाया। बालक क्वाड्रपल स्कल में यूपी के दीपक कुमार, यश कुमार यादव, हरिनाथ यादव व प्रवीण कुमार ने अपना सब कुछ झोंक दिया और पहले स्थान पर रहे। इस स्वर्ण के चलते यूपी को बालक वर्ग में तीसरा स्थान मिला। इससे पहले 1990 में लखनऊ में हुई राष्ट्रीय जूनियर चौंपियनशिप में बालक पेयर्स में हरपाल सिंह औक नफीस अहमद की जोड़ी ने रजत पदक जीता था।

बालक क्वाड्रपल स्कल में केरल के गौतम कृष्णा, आगस्टिन, तलवार सिंह व एचएम नायर की टीम को रजत पदक और आर्मी ब्वायज स्पोर्ट्स कंपनी के अर्णव रावत, दिलशाद खान, प्रथमेश व गगनदीप सिंह को कांस्य पदक मिला। चैंपियनशिप के बालक वर्ग में आर्मी ब्वायज स्पोर्ट्स कंपनी दो स्वर्ण, एक रजत व एक कांस्य के साथ और बालिका वर्ग में मध्य प्रदेश ने दो स्वर्ण, एक रजत व एक कांस्य के साथ चौंपियनशिप ट्रॉफी जीती। मुख्यमंत्री ने बालिका डबल स्कल के फाइनल को भी देखा। जिसमें महाराष्ट्र की शिवरानी कटेरिया व आरुषी बरार ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि मध्य प्रदेश की वंशिका साहू व प्रियंका ने रजत व मणिपुर की एल रोशबिना देवी व स्वेयिया हैसनाम ने कांस्य पदक जीता। फाइनल के अन्य मुकाबलों में बालिका सिंगल स्कल में मध्य प्रदेश की संतोष यादव ने स्वर्ण, ओडिशा की नेहा ने रजत व महाराष्ट्र की इश्वरी ने कांस्य पदक जीता।

बालक काक्सलेस पेयर्स में हरियाणा के नितिन व करन शहरान ने स्वर्ण, आर्मी ब्वायज स्पोर्ट्स कंपनी के नितिन कुमार व जसवंत सिंह ने रजत व मध्य प्रदेश के अयान यादव व अनुराग वर्मा ने कांस्य पदक जीता। बालिका क्वाड्रुपल स्कल में केरल की अनालिया विल्सन, लाया विनोज, एंजल मैरी थामस, हरिप्रिया विनेश की चौकड़ी ने स्वर्ण पदक जीता। ओडिशा की शिवानी, स्मृति इक्का, प्रतिज्ञा जेना व रितुरानी ने रजत एवं आरएफआई –हिमाचल की अनामिका ठाकुर, तनिष्का ठाकुर, अर्चिता नेगी व श्रेया ठाकुर ने कांस्य पदक जीता। बालक काक्सलेस पेयर्स में आर्मी ब्वायज स्पोर्ट्स कंपनी के इशू सतपाल, संदीप सांगवान, मोहित, सागर की टीम ने स्वर्ण, हरियाणा के अरमान, नितिन, अरमान लोहान, गगन ने रजत और मध्य प्रदेश के राज कमारिया, श्लोक डांगी, हरिओम, अरुण गुर्जर ने कांस्य पदक जीता। बालक डबल स्कल में आर्मी ब्वायज स्पोर्ट्स कंपनी के राजन व प्रतीक निषाद ने स्वर्ण पदक जीता। मध्य प्रदेश के ऋषभ व तनीश ने रजत पदक हासिल किया। बालक सिंगल स्कल में हरियाणा के सक्षम ने स्वर्ण, आसाम के फरहान अली ने रजत और झारखंड के शुकलाल टूडू ने कांस्य पदक जीता।

बालिका काक्सलेस पेयर्स में हरियाणा की महक, अनुष्का, कुशल चहल व अदिति मलिक की टीम ने स्वर्ण पदक जीता जबकि केरल की अनुष्का मैरी, अश्वथ कृष्णन, मित्रानंदा एमएस, देवेंद्र केपी की टीम ने रजत व मध्य प्रदेश की पूनम, प्रतीक्षा, मेघना व प्रतिज्ञा ने कांस्य पदक अपने नाम किया।

नशीला इंजेक्शन लगाकर मरीज से दुष्कर्म

डॉक्टर निलंबित, डिप्टी सीएम ने दिए अस्पताल सील करने के निर्देश

लखनऊ,संवाददाता। पीड़िता ने बताया कि बुधवार की दोपहर उसकी नाक में आक्सीजन के लिए पाइप डालने के लिए डॉक्टर उसे ओटी में ले गए। इसके पहले कलाई में लगी वीगो से उसे एक इजेक्शन दे दिया गया। ब्रजेश पाठक ने कहा है कि तेजस हॉस्पिटल में 12वीं की छात्रा से दुष्कर्म के मामले को गंभीरता से लेते हुए अस्पताल को सील करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही अस्पताल संचालक आरोपी डॉ. विजय गिरी का चिकित्सकीय लाइसेंस तत्काल निलंबित करने और उनकी आयुर्वेदिक डिग्री जब्त करने के लिए आयुर्वेदिक विभाग के अधिकारियों को आदेशित किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि आरोपी भविष्य में किसी भी प्रकार की चिकित्सकीय जिम्मेदारी न निभा सके। ब्रजेश पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार पीड़ित छात्रा और उसके परिवार के साथ खड़ी है तथा आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाएगी। सीएचसी से 50 मीटर की दूरी पर संचालित तेजस हॉस्पिटल में भर्ती युवती के साथ इलाज करने वाले डॉक्टर विजय कुमार गिरि पर नशीला इंजेक्शन लगाकर दुष्कर्म का आरोप लगा है। जब परिजनों को इस बात का पता चला तो उन लोगों ने अस्पताल में हंगामा शुरू कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी डॉक्टर को हिरासत में ले लिया है। युवती को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है।

बख्शी का तालाब के एक गांव की रहने वाली 19 वर्षीय युवती एक प्राइवेट कॉलेज के हॉस्टल में रहकर तीन माह का डिप्लोमा कोर्स कर रही है। युवती को बीते रविवार को चक्कर आने की शिकायत पर हॉस्टल वार्डन की सूचना पर परिजनों ने दुबग्गा के पास निजी अस्पताल में इलाज करवाया। मंगलवार को फिर से उसकी तबीयत बिगड़ने पर अपने परिचित की मदद से बख्शी का तालाब तहसील सड़क तेजस हॉस्पिटल में शाम को भर्ती करवाया।

युवती के उसके साथ माता–पिता और बड़ी बहन भी साथ थी। पीड़िता ने बताया कि बुधवार की दोपहर उसकी नाक में ऑक्सीजन के लिए पाइप डालने के लिए डॉक्टर उसे ओटी में ले गए। इसके पहले कलाई में लगी वीगो से उसे इंजेक्शन लगाया। इसके बाद उसको कुछ पता नहीं चल सका। होश में आने पर उसको अपने कपड़े अस्त–व्यस्त मिले।

एसआरएन अस्पताल में डाक्टरों की हड़ताल खत्म

काम पर लौटे डाक्टर, आज से चलेगी ओपीडी

प्रयागराज,संवाददाता। स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल (एसआरएन) में चल रही जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल तीसरे दिन खत्म हो गई। इमरजेंसी सेवा बहाल कर दी गई है। ओपीडी निर्धारित समय से संचालित की जाएगी।

एसआरएन की प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नीलम सिंह ने बताया कि हड़ताल को समाप्त करा दिया गया है। स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल (एसआरएन) में चल रही जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल तीसरे दिन खत्म हो गई। इमरजेंसी सेवा बहाल कर दी गई है।

ओपीडी निर्धारित समय से संचालित की जाएगी। मरीज के तीमारदारों से हुई मारपीट के बाद एसआरएन अस्पताल के जूनियर डॉक्टरों ने हड़ताल शुरू कर दी थी। इससे अस्पताल की चिकित्सा सेवाएं ठप हो गई थीं।

इससे मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। तीन दिनों तक न तो ओपीडी संचालित हुई न ही इमरजेंसी सेवा चालू की गई। सीनियर डॉक्टर अपने कक्ष में तो नियमित रूप से बैठते रहे लेकिन पर्चा न बनने के कारण मरीज डॉक्टरों के पास नहीं पहुंच सके। अस्पताल में ओपीडी

बंद होने के कारण यहां आने वाले हजारों मरीजों को रोजाना बैरंग वापस लौटना पड़ा। इसके चलते कॉल्विन और बेली अस्पताल में मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई।

डॉक्टरों की मांग थी कि उनके साथ अभद्रता और मारपीट करने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाए। अस्पताल प्रशासन ने काफी समय समझाने का प्रयास किया लेकिन वह मानने को तैयार नहीं हुए।

मरीजों को हो रही परेशानी और हड़ताल को देखते हुए मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. वीके पांडेय ने 20 जूनियर डॉक्टरों को निलंबित कर दिया।

मेडिकल कॉलेज प्रशासन के सख्त रुख को देखते हुए प्रदर्शनकारी डॉक्टर बैकफुट पर आ गए और उन्होंने आंदोलन को खत्म करने की घोषणा कर दी। एसआरएन की प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नीलम सिंह ने बताया कि जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल समाप्त करा दी गई है। वह काम पर लौट आए हैं। कल से नियमित रूप से ओपीडी संचालित की जाएगी।

प्रदेश में बिजली संकट पर मायावती का पहला बयान

बोलीं- आम आदमी इससे जूझ रहा, सरकार को ध्यान देना चाहिए

लखनऊ,संवाददाता। मायावती ने प्रदेश में बढ़ते बिजली संकट और कटौती पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में गरीब, किसान, मध्यम वर्ग और छोटे व्यापारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से बिजली आपूर्ति सुधारने और नए पावर प्लांट स्थापित कर स्थायी समाधान करने की मांग की। मायावती ने बिजली संकट पर एक्स अकाउंट से पोस्ट की। उन्होंने लिखा– उत्तर प्रदेश जैसे विशाल आबादी वाले राज्य में भीषण गर्मी के इस मौसम में बिजली की कम अपूर्ति व कटौती आदि की आम शिकायतों व उसको लेकर विशेषकर गरीब, मध्यम वर्ग, किसान, छोटे व्यापारियों व अन्य करोड़ों मेहनतकश लोगों का जीवन अति–कष्टदायी बना हुआ है तथा इसको लेकर लोग विभिन्न रूपों में अपना आक्रोश भी प्रकट कर रहे हैं, जिसकी चर्चा मीडिया में भी काफी व निरन्तर रहती है। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल आबादी वाले राज्य में भीषण गर्मी के इस मौसम में बिजली की कम अपूर्ति व कटौती आदि की आम शिकायतों व उसको लेकर विशेषकर गरीब, मध्यम वर्ग, किसान, छोटे व्यापारियों व अन्य करोड़ों मेहनतकश लोगों का जीवन अति–कष्टदायी बना हुआ है तथा इसको लेकर लोग विभिन्न रूपों में।

सीएम योगी बोले–बिटुमेन का विकल्प बनेगी सीमेंट वाली सड़क

देवरिया,संवाददाता। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने 655 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने बिटुमेन के बजाय सीमेंट वाली सड़कें बनाने की घोषणा की। अमेरिका–ईरान युद्ध से बिटुमेन की उपलब्धता प्रभावित हुई है। शहर के नजदीक भीमपुर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने 655 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात देते हुए कहा कि अब प्रदेश में बिटुमेन की जगह सीमेंट वाली सड़कें बनाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका–ईरान युद्ध के चलते सड़क निर्माण कार्य प्रभावित हुआ है और बिटुमेन की उपलब्धता पर असर पड़ा है। ऐसे में सरकार अब सीमेंट आधारित सड़कों पर जोर दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमेंट की सड़कें बनाने में लागत जरूर बढ़ेगी, लेकिन जनता को मजबूत और टिकाऊ सड़कें मिलेंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विकास कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करेगी।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने सपा और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस को हमेशा राम नाम से दिक्कत रही, लेकिन भाजपा सरकार ने अयोध्या में दुनिया का भव्य राम मंदिर बनवाने का काम किया। उन्होंने कहा कि यह नया उत्तर प्रदेश सुशासन, सुरक्षा, विरासत और विकास की पहचान बन चुका है। सीएम योगी ने कहा कि पहले प्रदेश में दंगे, अपराध और भ्रष्टाचार की पहचान थी, लेकिन आज निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर और कानून व्यवस्था की चर्चा हो रही है। सरकार गांव, गरीब, किसान और युवाओं के हित में लगातार कार्य कर रही है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। बड़ी संख्या में मौजूद लोगों ने मुख्यमंत्री के संबोधन पर तालियां बजाकर समर्थन जताया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया।

टावर पर चढ़ी दो युवतियां, मचा हड़कंप, प्रशासन के हाथ–पांव फूले

महाराजगंज,संवाददाता। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि टावर पर चढ़ी युवतियों में एक पंजाब की रहने वाली बताई जा रही है, जो स्थानीय एक आर्केस्ट्रा में डांसर के रूप में कार्य करती है। दूसरी युवती की पहचान और उसके संबंध में जानकारी जुटाने का प्रयास पुलिस कर रही है। महराजगंज में नगर पालिका परिषद महराजगंज के सरोजनी नगर वार्ड स्थित सूचना कार्यालय के समीप उस समय हड़कंप मच गया, जब दो युवतियां मोबाइल टावर पर चढ़ गईं। घटना के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुटी हुई है, जबकि पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी युवतियों को सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास में लगे हुए हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि टावर पर चढ़ी युवतियों में एक पंजाब की रहने वाली बताई जा रही है, जो स्थानीय एक आर्केस्ट्रा में डांसर के रूप में कार्य करती है। दूसरी युवती की पहचान और उसके संबंध में जानकारी जुटाने का प्रयास पुलिस कर रही है। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पूर्व उक्त युवती ने आर्केस्ट्रा संचालक के बेटे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था, जिसके बाद पुलिस ने आरोपित को जेल भेज दिया था। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि उसी मामले या किसी अन्य विवाद को लेकर युवतियां टावर पर चढ़ी हैं।

झुलसाएगी गर्मी

यूपी के कई जिलों के लिए प्रचंड गर्मी व लू का रेड अलर्ट जारी, जरूरी हो तभी घर से निकलें

भीषण गर्मी ने बढ़ाया कई शहरों का पारा

प्रचंड गर्मी व चिलचिलाती धूप की चपेट में यूपी

लखनऊ,संवाददाता

उत्तर प्रदेश में गर्मी का कहर जारी है। भीषण गर्मी ने लोगों को तपिश का एहसास कराया। प्रदेश के सात जिलों में अधिकतम तापमान 45 डिग्री के पार चला गया। बुंदेलखंड और दक्षिणी जिले लू की तपिश और चिलचिलाती धूप की चपेट में रहे। 47.6 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान के साथ बांदा देश में फिर सबसे गर्म रहा। दिन में चली पुरवाई ने आग में घी का काम किया और बढ़े हुए हीट इंडेक्स व आभासी गर्मी ने लोगों को बेचौन कर दिया।

मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए प्रदेश के दस जिलों के लू और प्रचंड गर्मी का रेड अलर्ट जारी किया है। 23 अन्य जिलों के लिए अतिशय तपिश की चेतावनी दी गई है। कई जिलों में रात का तापमान भी सामान्य से अधिक रहेगा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि नार्थ यूपी से मणिपुर से एक ट्रफ लाइन गुजर रही है। इसके चलते प्रदेश के कई जिलों में पुरवाई चल रही है। इसने आभासी गर्मी को बढ़ा दिया है। फिलहाल अगले तीन चार दिनों तक पूर्वी और दक्षिणी उत्तर प्रदेश में भीषण लू चलने की संभावना है।

राहत की आस – मानसून 3–4 दिन में पहुंचेगा केरल

मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण–पश्चिम मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है। अगले तीन से चार दिनों में इसके केरल पहुंचने की संभावना है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में समुद्री परिस्थितियां मानसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल बनी हुई हैं। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि मानसून तय समय से पहले केरल पहुंचता है, तो इसका असर पूरे देश के मौसम पर जल्दी दिखाई दे सकता है।

यहां लू का रेड अलर्ट

बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, मिर्जापुर, वाराणसी, भदोही, जौनपुर और आस पास के क्षेत्र।

आसमान से बरस रही आग

- उत्तर भारत से मध्य भारत तक भीषण गर्मी का कहर।
- बांदा 48.2C के साथ देश का सबसे गर्म शहर बना।
- 45 डिग्री के पार पहुंचा कई शहरों का तापमान।
- मौसम विभाग ने दी गर्म रातों और लू की चेतावनी।

देशभर में भीषण गर्मी का कहर जारी है। बांदा 48-2°C के साथ सबसे गर्म शहर रहा, जबकि कई राज्यों में तापमान 45°C के पार पहुंच गया। IMD ने दिल्ली, यूपी, राजस्थान समेत कई राज्यों में हीटवेव, गर्म रातों और उमस भरे मौसम की चेतावनी जारी की है। वहीं अगले तीन से चार दिनों में दक्षिण–पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के संकेत मिले हैं। आइए विस्तार से जानते हैं ।

मौसम विभाग ने लिए प्रदेश के दस जिलों के लू और प्रचंड गर्मी का रेड अलर्ट जारी किया है। 23 अन्य जिलों के लिए अतिशय तपिश की चेतावनी दी गई है। कई जिलों में रात का तापमान भी सामान्य से अधिक रहेगा।

उत्तर भारत इस वक्त मानो एक भट्टी में तब्दील हो चुका है. दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में पारा 45 से 48 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच गया है और लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है. मौसम विभाग के मुताबिक, अगले कई दिनों तक गर्मी से राहत मिलने के संकेत नहीं हैं. खासतौर पर दिल्ली–एनसीआर में अगले 7 दिन तक हीट वेव जारी रहने की संभावना जताई गई है।

सीबीआई करेगी त्विषा शर्मा केस की जांच, एमपी सरकार ने की केंद्र से सिफारिश

नई दिल्ली,एजेंसी। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में हुई त्विषा शर्मा की संदिग्ध मौत मामले से जुड़ी बड़ी खबर सामने आ रही है।त्विषा शर्मा की संदिग्ध मौत की जांच अब सीबीआइ करेगी, एमपी सरकार ने केंद्र से सीबीआई जांच के लिए सिफारिश की है।

राज्य सरकार ने सीबीआइ को सहमति पत्र भेजा है।

मध्य प्रदेश सरकार ने त्विषा शर्मा सुसाइड मामले में है। हिंदी में इसे केंद्रीय जांच ब्यूरो जांच की सिफारिश की है। एमपी सरकार के इस कदम से निष्पक्ष जांच की उम्मीद बढ़ गई है और त्विषा शर्मा के परिवार को न्याय मिलने की उम्मीद मजबूत हो गई है।

हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति अवनींद्र कुमार सिंह की एकलपीठ के समक्ष समर्थ सिंह की अग्रिम जमानत अर्जी पर सुनवाई हुई। आवेदक का पक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता मृगेंद्र सिंह ने रखा। राज्य की ओर से महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने भोपाल से केस डायरी मंगवाने समय मांगा। कोर्ट ने आज ढाई बजे तक का समय दिया। केस डायरी आने के बाद पुनः सुनवाई होगी।

इकरा हसन पर सहारनपुर में मुकदमा

संवाददाता, सहारनपुर। कैराना सांसद इकरा हसन सहित सात लोगों को नामजद करते हुए 20–25 अज्ञात लोगों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।शामली के जसाला के मोनू कश्यप हत्याकांड के पीड़ितों के साथ दो दिन पहले डीआइजी से मिलने पहुंची कैराना सांसद इकरा हसन पर समर्थकों संग जाम लगाने का आरोप है। पांच लोगों को हिरासत में लेने के बाद थाने में भी देर रात तक हंगामा चला था। 19 मई को कैराना सांसद इकरा हसन शामली जिले के जसाला गांव में मोनू कश्यप हत्याकांड के पीड़ित स्वजन के साथ डीआइजी से मिलने आई थीं। उनके साथ मृतक मोनू की मां भी थी।

सांसद इकरा ने डीआइजी अभिषेक सिंह पर संतोषजनक जवाब नहीं देने का आरोप लगाया था। जब सांसद डीआइजी कार्यालय में थीं तब उनके समर्थक बाहर खड़े थे। यातायात व्यवस्था बिगड़ने पर सांसद इकरा हसन को पुलिस हिरासत में लेकर महिला थाना ले आई थी। हालांकि कुछ देर बाद छोड़ दिया था। इस दौरान महिला थाने में भी काफी देर तक बहसा–बहसी और गहमागहमी की स्थिति बनी रही थी। उधर, पुलिस ने पूर्व राज्यमंत्री मांगेराम कश्यप समेत कुछ समर्थकों का शांतिभंग की धाराओं में जेल भेज दिया था। इसके बाद सांसद इकरा हसन देर शाम कार्यकर्ताओं के साथ कोतवाली सदर बाजार पहुंची और धरना पर बैठ गई।

इस दौरान देर रात तक कोतवाली में हंगामा चलता रहा। बाद में सहमति बनी की अगले दिन सुबह जेल भेजे गए आरोपितों को छोड़ दिया जाएगा। अगले दिन पांचों को जमानत मिल गई।

हालांकि पुलिस ने मंगलवार रात ही सांसद इकरा हसन सहित सात लोगों पूर्व राज्यमंत्री मांगेराम कश्यप, तेजपाल सिंह, अजय, अनुज, शीशपाल, सत्यपाल आदि सहित 20–25 अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 126 (2), 132, 191 (2) व 221 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया। दो दिन तक पुलिस मुकदमे को छिपाती रही, लेकिन अब इस प्रकरण की एफआइआर सामने आई है, जिसमें उप निरीक्षक संजय कुमार शर्मा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

उधर, इस संबंध में बात करने के लिए एसएसपी अभिनंदन से बात करने के लिए फोन किया गया, लेकिन उनका फोन रिसीव नहीं हुआ।

तिहाड़ जेल से बाहर आएगा दिल्ली दंगों का आरोपी उमर खालिद हाई कोर्ट से मिली अंतरिम जमानत

**उमर खालिद को दिल्ली हाई कोर्ट से अंतरिम जमानत मिली
मां की सर्जरी और चाचा के चहलुम के लिए मिली राहत
1 जून से 3 जून तक के लिए मानवीय आधार पर जमानत**

नई दिल्ली,एजेंसी। उमर खालिद को दिल्ली हाई कोर्ट ने अंतरिम जमानत दे दी है। अदालत ने उन्हें एक जून से तीन जून तक की राहत प्रदान की है ताकि वह अपनी बीमार मां की मेडिकल सर्जरी के दौरान उनकी देखभाल कर सकें और अपने चाचा के चहलुम में शामिल हो सकें। मामले की सुनवाई के दौरान उमर खालिद की ओर से अदालत को बताया गया कि उनकी मां की सर्जरी निर्धारित है और परिवार को उनकी मौजूदगी की आवश्यकता है। साथ ही परिवार में आयोजित चहलुम रस्म में शामिल होने की अनुमति भी मांगी गई थी।

दिल्ली हाई कोर्ट ने मानवीय आधार पर अंतरिम जमानत मंजूर करते हुए तय अवधि के भीतर राहत दी। अदालत ने इस दौरान निर्धारित शर्तों का पालन करने के निर्देश भी दिए हैं। उमर खालिद फिलहाल उत्तर–पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़े यूएपीए मामले में न्यायिक हिरासत में हैं। इससे पहले भी वह विभिन्न मानवीय आधारों पर अदालत से अंतरिम राहत की मांग कर चुके हैं।

बड़े मंगल के भंडारे और मोहर्रम के जुलूस के लिए भी लेनी होगी अनुमति 60 दिनों के लिए निषेधाज्ञा लागू

लखनऊ,संवाददाता। आगामी पर्वों के मद्देनजर लखनऊ में आज से 60 दिनों तक निषेधाज्ञा लागू रहेगी। 21 मई से 19 जुलाई तक आदेश प्रभावी रहेगा। बिना अनुमति जुलूस–धरना और ड्रोन उड़ाने पर रोक लगी। आगामी बकरीद, बड़ा मंगल, मोहर्रम समेत विभिन्न धार्मिक आयोजनों और प्रवेश परीक्षाओं को देखते हुए पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा–163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) बबलू कुमार की ओर से जारी यह आदेश 21 मई से प्रभावी होकर 19 जुलाई 2026 तक कुल 60 दिन लागू रहेगा। आदेश के तहत विधानभवन और आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों में ट्रैक्टर ट्रॉली, घोड़ा गाड़ी, ज्वलनशील पदार्थ, सिलिंडर और हथियार लेकर प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। लालबत्ती चौराहा, बंदरिया बाग, गोल्फ क्लब, पार्क रोड, सिविल अस्पताल, अटल चौक और कैसरबाग समेत कई क्षेत्रों में धरना–प्रदर्शन पर रोक लगाई गई है। लोकभवन, मुख्यमंत्री आवास, विधान भवन और सरकारी कार्यालयों के आसपास ड्रोन उड़ाने और शूटिंग पर प्रतिबंध रहेगा। सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट, अफवाह और सांप्रदायिक तनाव फैलाने वाली सामग्री साझा करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। ग्रुप एडमिन को भी ऐसे मामलों में जिम्मेदार माना जाएगा।

धार्मिक आयोजनों के लिए लेनी होगी पूर्व अनुमति

आदेश में कहा गया है कि बिना अनुमति पांच या उससे अधिक लोगों के जुलूस, सभा या समूह बनाने पर भी रोक रहेगी। किसी भी धार्मिक आयोजन जैसे भंडारा, जुलूस, शोभायात्रा, मजलिस, संगीत कार्यक्रम या मैच के लिए पूर्व अनुमति आवश्यक होगी। रात 12 बजे से सुबह 6 बजे तक लाउडस्पीकर के प्रयोग पर प्रतिबंध रहेगा।

चाइनीज मांझे की बिक्री, उपयोग पर भी रोक

आदेश में चाइनीज मांझे की बिक्री और उपयोग पर रोक, किरायेदारों तथा ऑनलाइन डिलीवरी कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य करने और साइबर कैफे संचालकों के लिए पहचान सत्यापन व रजिस्टर बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश का उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता की धारा–223 के तहत दंडनीय अपराध माना जाएगा।

कर्मचारियों व किरायेदारों का सत्यापन जरूरी

जोमैटो, स्विगी, ब्लिंकिट समेत सभी ऑनलाइन डिलीवरी कंपनियों को कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन कराना अनिवार्य किया गया है। मकान मालिकों को भी किरायेदारों का सत्यापन कराए बिना मकान किराये पर न देने के निर्देश दिए गए।

इस जिले में 23 मई तक बंद रहेंगे स्कूल, भीषण गर्मी के कारण डीएम ने जारी किया ये आदेश

मेरठ,संवाददाता। भीषण गर्मी और लू के कारण स्कूलों की छुट्टियां कर दी गईं हैं। जिलाधिकारी वीके सिंह ने 21 से 23 मई तक प्री–प्राइमरी से कक्षा दस तक के सभी बोर्डों के विद्यालयों में अवकाश घोषित किया है। यूपी के मेरठ में तेज धूप और लू ने लोगों को झुलसा दिया है। सूरज निकलते ही सुबह से ही आसमान से आग बरसती महसूस हो रही है। बुधवार को दिन चढ़ने के साथ तापमान बढ़ता गया। दोपहर तक हालात इतने खराब हो गए कि सड़क और बाजारों में सन्नाटा रहा। तापमान 44 डिग्री तक पहुंच गया, जो इस सीजन का सबसे अधिक गर्म दिन रहा। 25 मई से गर्मी का प्रकोप नौतपा शुरू होने से पारा और बढ़ेगा। वहीं, जिलाधिकारी ने भीषण गर्मी और लू के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए स्कूलों की छुट्टी कर दी है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोग इन दिनों भीषण गर्मी से झुलस रहे हैं। तापमान 44 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। सुबह से ही ऐसा महसूस होने लगता है जैसे आसमान से आग बरस रही हो। लू के थपेड़ शरीर को झुलसा रहे हैं। नौतपा का भी 25 मई से आगाज हो जाएगा, ऐसे में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आसमान से आग बरसेगी। 29 मई को एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से थोड़ी राहत मिलने के आसार हैं। बुधवार का दिन सीजन में सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया। कृषि विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. यूपी शाही ने बताया कि वर्तमान में तापमान तेजी से बढ़ रहा है। कहा कि पश्चिमी हवाओं के प्रभाव और साफ आसमान के चलते गर्मी में और इजाफा हो रहा है। दोपहर के समय लू चलने से स्थिति और अधिक गंभीर हो रही है, जिससे हीट स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ गया है। बाजारों और मुख्य मार्गों पर दोपहर के समय लोगों की आवाजाही काफी कम देखने को मिल रही है। जरूरी काम से बाहर निकलने वाले लोग सिर और चेहरे को ढककर ही निकले। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की मौसम वेधशाला पर दिन का अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। एयर क्वालिटी इंडेक्स 263 दर्ज किया गया। गंगानगर में 190, जयभीम नगर में 256, एमआईईटी कॉलेज के पास 354, पल्लवपुरम में 251 दर्ज किया गया।

गर्मी और लू के कारण 23 मई तक स्कूलों में अवकाश

मेरठ में बढ़ती गर्मी और लू के मद्देनजर जिलाधिकारी वीके सिंह ने 21 से 23 मई तक प्री–प्राइमरी से कक्षा दस तक के सभी बोर्डों के विद्यालयों में अवकाश घोषित किया है। जिलाधिकारी ने कहा कि छात्र–छात्राओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। भीषण गर्मी और लू के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और विद्यालय प्रबंधन को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रशासन ने अभिभावकों से भी अपील की है। अत्यधिक गर्मी के दौरान बच्चों को अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलने दें। पर्याप्त पानी और सावधानियों का ध्यान रखने को कहा गया है।

सहारनपुर जनपद में गर्मी का 12 साल का रिकॉर्ड टूट गया। बीते 12 वर्षों में 20 मई को अधिकतम तापमान 42 डिग्री से ऊपर नहीं गया था। बुधवार को अधिकतम तापमान 44 व न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मेरठ में भी अधिकतम तापमान 44 डिग्री पर पहुंच गया।

दीदी कोई लड़की सीढ़ियों से गिर गई

मेरठ,संवाददाता। गंगानगर स्थित एक निजी विश्वविद्यालय के गर्ल्स हॉस्टल में बुधवार सुबह एमबीए की छात्रा अनु गुप्ता (23) का शव सीढ़ियों के नीचे मिला। परिजनों का आरोप है कि उसे परीक्षा देने से रोका जा रहा था। घटना को लेकर गुस्साए छात्रों ने हंगामा कर नारेबाजी की और विरोध में धरने पर बैठ गए। देर रात विवि प्रशासन पर आत्महत्या के लिए उकसाने की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई। मेरठ के गंगानगर स्थित आईआईएमटी विश्वविद्यालय में छात्रा अनु की मौत की जानकारी लगने पर उसके परिजन आनन–फानन मेरठ पहुंचे। अनु की बहन तनु ने बताया कि बुधवार सुबह नौ बजे अनु से बात हुई थी। उसने बताया कि वह अपनी असाइनमेंट की फाइल तैयार कर रही है। उसके कुछ देर बाद ही दिल्ली से छोटी बहन शिवांगी ने कॉल किया तो रूममेट ने रिसीव किया। उसने बताया कि अनु का फोन रूम में है। इसी बीच रूममेट ने बताया कि दीदी कोई लड़की सीढ़ियों से गिर गई है। यह सुनकर बहन शिवांगी घबरा गई, उसने बड़ी बहन तनु को कॉल किया। पुलिस ने बताया कि हॉस्टल में तीसरी मंजिल पर 63 नंबर कमरे में वह रहती थी। कमरे के बाहर व सीढ़ियों पर करीब चार फीट ऊंची ग्रिल लगी है। अनु की लंबाई करीब पांच फीट थी। थर्ड फ्लोर पर लगे सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि अनु ग्रिल के बीच में से निकलकर स्टेयरवेल में पहुंची और कुछ सेकेंड रुकी और छलांग लगा दी। इसी वजह से वह सीढ़ियों के बीचों बीच पड़ी मिली। अनु के चेहरे, कंधे और हाथ पर गंभीर चोट के निशान थे।

परिजनों ने लगाए आरोप

परिजनों ने कॉलेज प्रशासन पर जानकारी छिपाने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि विवि प्रशासन से संपर्क करने पर उन्हें सही जानकारी नहीं मिली। शक होने पर वह मेरठ के लिए रवाना हो गए। जब वह मेरठ पहुंचने वाले थे तब उन्हें कॉल कर सूचना दी गई कि अनु अस्पताल में है।

फर्जी सुसाइड नोट लेकर पहुंची छात्रा

दिन भर पुलिस और विवि प्रशासन दोनों के पास सुसाइड नोट नहीं होने की जानकारी थी। लेकिन शाम को अचानक एक छात्रा विवि के गेट के बाहर पहुंची। उसने दावा किया कि अनु की मौत के बाद फर्जी सुसाइड लिखने की कोशिश की गई है। इसमें लिखा है कि उसके एक सहपाठी के पिता की मृत्यु हो गई है। मेरी मां भी मुझे छोड़कर चली गई। मेरा बैक पेपर आ गया है। इस वजह से मैं परेशान हूं। हालांकि यह नहीं बताया कि यह फर्जी सुसाइड नोट उसे कहां से मिला।

एक दिन पहले ही हॉस्टल छोड़कर लौटे थे परिजन

बड़ी बहन तनु के मुताबिक बीते 14 फरवरी को मां उषा गुप्ता की मृत्यु हो गई थी। इसके बाद से अनु घर ही थी। इसी दौरान उसके हाथ में चोट लगी। उसका ऑपरेशन कराया गया। अब कॉलेज की ओर से सूचना दी गई कि 21 मई से परीक्षा शुरू हैं। परिजन मंगलवार को अनु को हॉस्टल छोड़ने आए थे। परिजनों का कहना है कि हाजिरी कम होने के कारण उसे परीक्षा से रोकने की बात की गई थी लेकिन, उन्होंने विवि प्रशासन से बात कर उन्हें मना लिया था। इसके बाद वह वापस लौट गए थे।

विवि के गेट पर हंगामा

एमबीए छात्रा अनु गुप्ता की मौत को लेकर छात्र–छात्राओं ने हंगामा किया। छात्र धरने पर बैठ गए। आरोप है अनु को डिबार किया गया था। एचओडी, वार्डन द्वारा परेशान किया जा रहा था। धरने पर मेरठ कॉलेज, सीसीएसयू के छात्र नेता भी पहुंच गए। छात्र मौके पर बीसी को बुलाने की जिद पर अड़े रहे। करीब चार घंटे धरने के बाद लिखित मांग पत्र दिया गया। इसमें कॉलेज प्रशासन द्वारा छात्रा अनु के परिजनों को 50 लाख रुपये सहायता राशि देने, आत्महत्या के लिए दोषी एचओडी, वार्डन पर कार्रवाई करने, फीस पर लगने वाला फाइन बंद करने के अलावा सभी विभागों के डिबार छात्रों को तत्काल बहाल करने की बात प्रमुखता से शामिल है।

वहीं, थाना गंगानगर, भावनपुर, इंचौली पुलिस के अलावा सीओ सदर देहात सुधीर सिंह, प्रशिक्षु आईपीएस बजरंग प्रसाद मौके पर पहुंच गए। देर शाम तक हंगामा होता रहा। इस बीच एलआईयू टीम की महिला कांस्टेबल के साथ छात्राओं ने अभद्रता की। पुलिस ने उन्हें किसी तरह बचाया। डॉ. सरोजनी नायडू गर्ल्स हॉस्टल में रहकर शिक्षा ग्रहण कर रही एमबीए अंतिम वर्ष की छात्रा अनु गुप्ता निवासी सहारनपुर की बुधवार सुबह हॉस्टल की बिल्डिंग से गिर कर मृत्यु हो गई। पुलिस जांच में विश्वविद्यालय की ओर से पूर्ण सहयोग किया जा रहा है। –डॉ. बीपी राकेश, कुलसचिव।

सीढ़ियों के नीचे मिला एमबीए छात्रा का शव

मेरठ के गंगानगर स्थित एक निजी विश्वविद्यालय के गर्ल्स हॉस्टल में बुधवार सुबह एमबीए की छात्रा अनु गुप्ता (23) का शव सीढ़ियों के नीचे मिला। परिजनों का आरोप है कि उसे परीक्षा देने से रोका जा रहा था। घटना को लेकर गुस्साए छात्रों ने हंगामा कर नारेबाजी की और विरोध में धरने पर बैठ गए। देर रात विवि प्रशासन पर आत्महत्या के लिए उकसाने की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई।

सहारनपुर जिले के देवबंद तहसील स्थित ताजपुर गांव निवासी ओमकार गुप्ता की छोटी बेटी अनु आईआईएमटी में एमबीए अंतिम वर्ष की छात्रा थी। अनु सुबह करीब 9रू30 बजे विवि परिसर स्थित सरोजनी नायडू गर्ल्स हॉस्टल में लहुलुहान हालत में पड़ी थी।

उसे आईआईएमटी लाइफलाइन हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस अधीक्षक देहात अभिजीत कुमार, गंगानगर थाना पुलिस फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। दोपहर 1रू30 बजे विवि पहुंचे परिजनों ने अनु की हत्या का आरोप लगाया। बड़ी बहन तनु ने बताया कि वह तीन बहनों में सबसे छोटी और सबकी लाडली थी। तनु के मुताबिक मंगलवार को हॉस्टल आने से पहले उसने सहारनपुर मॉल से शॉपिंग की थी।

एमबीए प्रथम वर्ष में 80 प्रतिशत अंक आए थे।

वहीं, विवि के गेट पर धरने पर बैठे छात्रों ने आरोप लगाया कि हाजिरी कम होने पर परीक्षा में न बैठने देने, अधिक फीस लेने और डिबार किए जाने से वह तनाव में थी। वहीं, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीपी राकेश का कहना है कि अनु गुप्ता की बुधवार सुबह हॉस्टल की बिल्डिंग से गिर कर मृत्यु हो गई। पुलिस जांच में विश्वविद्यालय की ओर से पूर्ण सहयोग किया जा रहा है।

मां की मृत्यु और परीक्षा में बैक आने से छात्रा डिप्रेशन में थी। मामला खुदकुशी का लगता है। गहन जांच की जा रही है। अभी कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। अभिजीत कुमार, पुलिस अधीक्षक देहात

गाजियाबाद में बड़ा हादसा–बेकाबू कार डिवाइडर से टकराकर पलटी

गाजियाबाद,संवाददाता । बड़ा हादसा हुआ है। एक बेकाबू कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में दो की मौत हो गई, जबकि तीन घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा दिल्ली–मेरठ मार्ग पर राज चौपला के समीप स्थित ईएसआईसी अस्पताल के सामने हुआ। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में बड़ा हादसा हुआ है। दिल्ली–मेरठ मार्ग पर राज चौपला स्थित ईएसआईसी अस्पताल के सामने बृहस्पतिवार सुबह भीषण सड़क हादस हो गया। गाजियाबाद से मेरठ के तरफ जा रही एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर पर चढ़कर रैपिड ट्रेन के पिलर से टकराने के बाद पलट गई। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए व कार चालक समेत दो की मौत हो गए और तीन घायल हो गए। एक युवक कार से सुरक्षित बाहर निकला और मौके से कहीं चला गया। घायलों को उपचार के लिए मेरठ रेफर कर दिया गया। जनपद मेरठ के थाना परतापुर स्थित गांव कुंडा निवासी आदेश कसाना गांव निवासी दोस्त कुलदीप, रोहित और आदेश पाल व रिठानी निवासी हिमांशु पाल के साथ कार से बुधवार रात लोनी की तरफ गए थे। बृहस्पतिवार तड़के वह पांचों अपने लोनी निवासी दोस्त अंकित तिवारी के साथ मेरठ लौट रहे थे। सुबह करीब पांच बजे जैसे ही वह दिल्ली–मेरठ मार्ग पर राज चौपले से पहले ईएसआईसी अस्पताल के पास पहुंचे तभी तेज रफ्तार कार अचानक बेकाबू हो गई और कार ने डिवाइडर पर चढ़कर रैपिड ट्रेन के पिलर से टकराकर कई पलटी खाई।

कार के परखच्चे के उड़े, आग लगी

हादसे में कार के परखच्चे के उड़ गए और आगले हिस्से में आग लग गई। राहगीरों ने किसी तरह आग को बुझाया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने लोगों की मदद से कार में फंसे पांचों घायलों को बाहर निकालकर नगर एक निजी अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने आदेश कसाना (32) और अंकित तिवारी (25) को मृत घोषित हो गई। कुलदीप, आदेश पाल और हिमांशु को गंभीर हालत के चलते मेरठ रेफर कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रोहित कार से सुरक्षित निकल वहां से चला गया। हादसे के बाद दिल्ली मेरठ मार्ग पर यातायात बाधित हो गया। हादसे में ईएसआईसी अस्पताल की महिला सफाईकर्मी और डिवाइडर पर सो रहा मानसिक मंदित व्यक्ति बाल–बाल बच गया। एसीपी मोदीनगर भास्कर वर्मा ने बताया कि परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है।

तुम घटिया हो, बाडीशेम करने वाले पैपराजी पर भड़कीं सारा तेंदुलकर

एंटरटेनमेंट डेस्क । भारत के पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर अक्सर किसी न किसी कारण चर्चा में रहती हैं. वो लाइमलाइट में बनी रहती हैं. चाहे कोई इवेंट हो या फंक्शन, वो हमेशा अपनी खूबसूरती से सबका ध्यान खींच लेती हैं. अब सारा एक बार फिर सुर्खियों में हैं.

हालांकि, इस बार वजह उनका ग्लैमरस अंदाज नहीं, बल्कि उनका गुस्सा और तीखा रिएक्शन है. दरअसल, सारा तेंदुलकर ने हाल ही में पैपराजी को जमकर फटकार लगाई है.

बॉडी शेमिंग का शिकार हुईं सारा तेंदुलकर

सारा तेंदुलकर को हाल ही में अपनी भाभी सानिया चंडोक के साथ एयरपोर्ट पर देखा गया. इस दौरान एक पैपराजी ने दोनों का वीडियो इंस्टाग्राम पर भद्दे और बॉडी शेमिंग वाले कमेंट के साथ शेयर किया. ये बात सारा को बिल्कुल पसंद नहीं आई, जिसके चलते वह काफी नाराज हो गईं और हाल ही में उन्हें पैपराजी पर भड़के हुए देखा गया.

सारा तेंदुलकर ने पैप्स को सुनाई खरी–खोटी

गुरुवार को सारा तेंदुलकर ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर करते हुए एक पैपराजी पेज को खरी–खोटी सुनाई. उन्होंने पैपराजी पेज पर शेयर किए गए एक वीडियो का स्क्रीनशॉट शेयर किया. वीडियो में सारा अपनी भाभी के साथ नजर आ रही हैं, जिसे शेयर करते हुए पैपराजी पेज ने लिखा था, श्मोटी वाली सारा हैं, बगल वाली भाभी हैं. एक स्क्रीन शॉट को शेयर करते हुए सारा ने लिखा, श्तुम घटिया हो. ये पत्रकारिता नहीं है, हमें अकेला छोड़ दो.

पैपराजी ने किया वीडियो डिलीट

सारा की ये स्टोरी देखते ही पैपराजी ने इंस्टाग्राम से वीडियो डिलीट कर दिया. इस पर रिएक्ट करते हुए सारा ने लिखा, श्तुम अपना पोस्ट भले ही डिलीट कर दो, लेकिन इससे तुम कम घिनौने नहीं हो जाओगे. बता दें कि पैपराजी की हरकतों से कई सेलेब्स परेशान हो चुके हैं. सारा से पहले बीते दिनों सलमान खान का गुस्सा पैपराजी पर फूटा था. उन्होंने पैप्स को खूब खरी–खोटी सुनाई. इसके बाद पैपराजी ने सलमान खान से माफी मांगी थी।

नो मीन्स नो..., गुनाहों का सर्कस और बंदर बने बाबी देओल, दमदार है बंदर का ट्रेलर

मुम्बई,एजेंसी। एनिमल की रिलीज के दौरान बॉबी देओल को लेकर खुलासा हुआ था कि संदीप रेड्डी वांगा ने उनसे आंखों से एक्टिंग करने की डिमांड की थी. वो सेडनेस और इमोशन, जो 90 में उनकी आंखों में देखने के लिए मिलती है वो चाहिए थी और एक्टर ने उनकी इस डिमांड को पूरा भी किया था और बिना डायलॉग के कमाल का अभिनय किया था. ऐसे में अब उनकी फिल्म बंदर का ट्रेलर रिलीज किया गया है, जिसमें उनकी आंखों का वही जादू देखने के लिए मिल रहा है. लेकिन इस बार कहानी पहले से काफी अलग है.

नो एक्शन के साथ कमाल की मिस्ट्री और सस्पेंस

बॉबी देओल की फिल्म बंदर का ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गई है. इसमें बॉबी का एक कमाल का और सबसे अलग अवतार देखने के लिए मिलता है. इसमें कोई एक्शन सीक्वंस नहीं है बल्कि बॉबी अपनी बॉडी लैंग्वेज और एक्सप्रेशन से अभिनय करते हैं. फिल्म में जबरदस्त सस्पेंस और ह्यूमर देखने के लिए मिलता है.

फिल्म का कॉन्सेप्ट धारा 376 का है, जो बॉबी पर लगी होती है और वो खुद को इनोसेंट बताते हैं. लेकिन एक तरफ बॉबी को अय्याश भी दिखाया गया है. बॉबी देओल और डायरेक्टर अनुराग कश्यप फिल्म बंदर के जरिए पहली बार किसी फिल्म में काम कर रहे हैं. अनुराग ने भी बॉबी की एक्टिंग को देखते हुए एक्सपेरिमेंट करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है, जिस पर अभिनेता ने भी शानदार काम किया और अलग अवतार में एक बार फिर से फैंस का दिल जीत लिया है. वो इस पर एकदम लीक से हटकर रोल प्ले कर रहे हैं. आपने उन्हें जिस तरह से बैड्स ऑफ बॉलीवुड और एनिमल में देखा है, वो उससे एकदम अलग अंदाज में नजर आथे हैं।

क्या आडियंस को पसंद आया 'चांद मेरा दिल'

एंटरटेनमेंट डेस्क। अनन्या पांडे और लक्ष्य स्टारर फिल्म 'चांद मेरा दिल' ने आज सिनेमाघरों में दस्तक दी है। इस लव स्टोरी फिल्म को क्या ऑडियंस का प्यार मिल सका है? जानें, सोशल मीडिया पर इस फिल्म को कैसा रिव्यू मिला है?

रिलीज से पहले फिल्म 'चांद मेरा दिल' को लेकर सोशल मीडिया पर अच्छा–खासा क्रेज देखा गया था। फिल्म रिलीज होने के बाद भी ऑडियंस के बीच इस फिल्म की चर्चा सुनने को मिल रही है। फिल्म को लेकर एक्स (ट्विटर) पर सोशल मीडिया यूजर्स अपने–अपने रिएक्शन, रिव्यू साझा कर रहे हैं। फिल्म 'चांद मेरा दिल' की लव स्टोरी थोड़ी हटकर है। इस फिल्म को देखने के बाद कई सोशल मीडिया यूजर्स को यह पसंद आई। एक यूजर्स ने कमेंट लिखा, 'यह फिल्म 2026 की सबसे बड़ी रोमांटिक सेंसेशन है। जेन जी (ळमद) के लिए एक नई सिनेमैटिक ट्रीट है। यह कोई आम लव स्टोरी नहीं है, यह बहुत ही खास है और इसे बड़े पर्दे के हिसाब से बनाया गया है।'

एक अन्य यूजर्स ने फिल्म को लेकर रिव्यू देते हुए लिखा, श्यह फिल्म एक जबरदस्त सरप्राइज देती है। इसका असर भी बहुत गहरा होता है। मेकर्स का बहुत–बहुत शुक्रिया कि उन्होंने कहानी के मुख्य हिस्से को राज ही रखा। आप फिल्म में होने वाली घटनाओं को देखकर हैरान रह जाएंगे, क्योंकि रिलीज से पहले सब कुछ छिपाकर रखा गया था और दर्शकों ने ऐसी कहानी की बिल्कुल भी उम्मीद नहीं की थी।

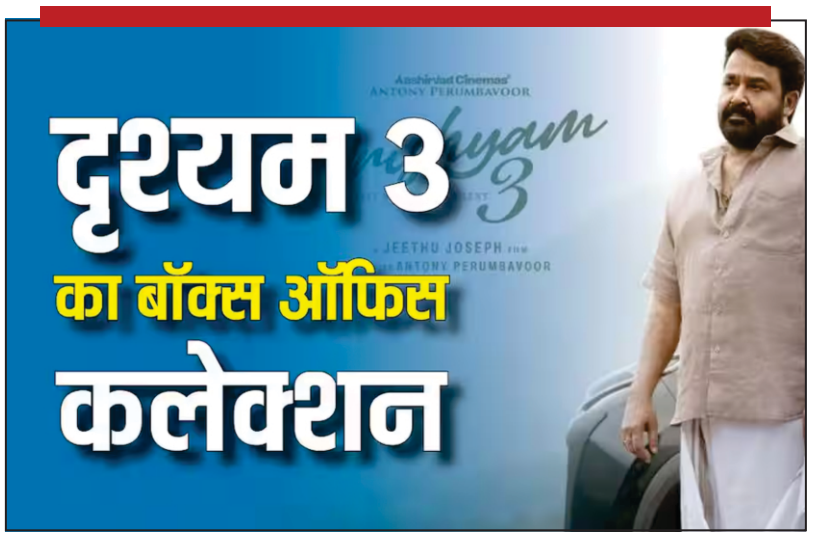

फिल्म ने कन्नड़ में 3 लाख कमाए. वहीं मलयालम में 2.56 करोड़ का कलेक्शन किया.

मुम्बई,एजेंसी। मोहनलाल की दृश्यम फ्रेंचाइजी फैंस की फेवरेट फ्रेंचाइजी है. अब इसका तीसरा पार्ट रिलीज हो गया है. फिल्म 21 मई को रिलीज हो गई. फिल्म को क्रिटिक्स और फैंस से शानदार रिव्यूज मिल रहे हैं.

मोहनलाल ने अपनी दमदार एक्टिंग से धमाल कर दिया. वहीं फिल्म की स्टोरीलाइन भी बहुत सराही जा रही है.

तमिल में फिल्म ने 9 लाख और तेलुगू में फिल्म ने 12 लाख का कलेक्शन किया.

बता दें कि फिल्म के सारे बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के आंकड़े सैकनिल्क से लिए गए हैं. फिल्म के पहले दिन के कलेक्शन के फाइनल आंकड़े रात 10.30 तक आएंगे. बता दें कि फिल्म को ओवरसीज मार्केट में शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है.

फिल्म ने ओवरसीज मार्केट में 22.15 करोड़ की प्री–सेल कर ली थी. रिपोर्ट्स हैं कि फिल्म दुनियाभर में पहले दिन 50 करोड़ की ओपनिंग कर सकती है. वहीं फिल्म ने वर्ल्डवाइड एडवांस बुकिंग में 48 करोड़ की सेल्स कर ली है.

कैसी है दृश्यम 3

फिल्म को बहुत पसंद किया जा रहा है. एबीपी न्यूज के रिव्यू में फिल्म को 4 स्टार्स दिए गए हैं. फिल्म का फर्स्ट हाफ में बिल्डअप है. लेकिन सेकंड हाफ तक आते–आते फिल्म में जबरदस्त ट्विस्ट और टर्न देखने को मिलेंगे.

क्लाइमैक्स देखकर तो आपको मजा ही आ जाएगा. फिल्म का एंड सरप्राइज करेगा.

यहां पढ़ें पूरा रिव्यू. बता दें कि इस फिल्म में मोहनलाल लीड रोल में हैं. वो अपनी फैमिली को बचाने में लगे हैं. दरअसल उनकी फैमिली से अनजाने में एक मर्डर हो जाता है.

मोहनलाल पुलिस से फैमिली को बचाने में लगे. फिल्म में मीना, अनसिबा हसन, मुरली गोपी जैसे स्टार्स हैं।

फाइनल चौप्टर की ओर एमिली, शुरू हो गई फेयरवेल सीजन की शूटिंग

नई दिल्ली,एजेंसी। एमिली इन पेरिस ने अपने छठे और फाइनल सीजन की घोषणा कर दी है। एक पोस्ट के साथ मेकर्स ने तय किया कि आने वाला सीजन शो का आखिरी और फाइनल सीजन होगा। 21 मई को फाइनल सीजन की शूटिंग शुरू हुई और निर्माताओं ने ग्रीस से कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए इसका एलान किया।

ऑनलाइन वायरल हो रही तस्वीरों में कई कलाकार खूबसूरत सेट पर पहुंचते नजर आए, जहां उन्होंने इस रोमांटिक कॉमेडी सीरीज के आखिरी चौप्टर की शूटिंग शुरू की।

क्या है एमिली इन पेरिस की कहानी?

एमिली इन पेरिस ने अपने आखिरी सीजन में प्रवेश कर चुका है।

लिली कॉलिन्स इस सीरीज में एमिली का किरदार निभा रही हैं, जो शिकागो की एक मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव हैं।

उन्हें पेरिस में अचानक एक मनचाही नौकरी मिल जाती है और यूरोप की एक ऐसी यात्रा पर निकल पड़ती हैं जो उनकी जिंदगी बदल देती है।इस बीच काम, दोस्ती और रोमांस को संभालते हुए उनकी नई जिंदगी रोमांचक अनुभवों और चौंकाने वाली चुनौतियों से भरी हुई हो जाती है।

कॉलिन्स ने वीडियो पोस्ट कर फैंस को दी जानकारी

कॉलिन्स ने फैंस के लिए एक वीडियो पोस्ट किया है। वीडियो में, वह कहती हैं, सीजन 6 में आपको वो सब कुछ मिलेगा जो आपको शो में पसंद है और यह एमिली के जीवन भर के रोमांच का अंतिम अध्याय होगा।

गोद में टेडी लिए समरीन के साथ दिखे अर्शदीप

फैंस बोले- लगता है भाभी का गिफ्ट है, तभी दिल के करीब रखा है

स्पोर्ट्स डेस्क। पंजाब को 23 मई को लखनऊ का सामना करना है। यह मुकाबला इकाना स्टेडियम में खेला जाएगा। पंजाब के लिहाज से यह मुकाबला करो या मरो वाला है। लखनऊ की टीम पहले ही प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी है। आईपीएल 2026 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। हालांकि, इस सीजन कई क्रिकेटर्स अपने प्रदर्शन की वजह से नहीं, बल्कि ऑफ फील्ड लाइफ की वजह से चर्चा में ज्यादा रहे हैं। इनमें अर्शदीप सिंह का नाम भी शामिल है। पंजाब किंग्स के इस तेज गेंदबाज का प्रदर्शन इस सीजन कुछ खास नहीं रहा है, लेकिन ऑफ द फील्ड समरीन कौर के साथ अपने रिश्तों को लेकर वह खूब चर्चा में रहे हैं। सोशल मीडिया पर ऐसा दावा किया जा रहा है कि समरीन अर्शदीप की रूमर्ड गर्लफ्रेंड हैं। कई मौकों पर दोनों को साथ में देखा भी गया है। हाल ही में दोनों एक बार फिर साथ में स्पॉट हुए। पैपराजी ने दोनों को किसी बिल्डिंग से बाहर निकलते हुए देख लिया और सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हो गया। ऐसा बताया जा रहा है कि यह एयरपोर्ट से बाहर निकलने का वीडियो और दोनों साथ में बेहद क्यूट नजर आए। दरअसल, हाल ही में बीसीसीआई ने गर्लफ्रेंड, वाइफ्स और पार्टनर्स को लेकर अपने नियम सख्त किए थे। इसके बाद अर्शदीप और समरीन को कम ही साथ देखा गया था। समरीन दर्शक दीर्घा में जरूर नजर आई थीं, लेकिन साथ नहीं दिखी थीं। हालांकि, पंजाब को आरसीबी के खिलाफ पिछले मैच के बाद पांच दिन का गैप मिला है और अर्शदीप–समरीन का यह वीडियो इसी गैप का है। पंजाब को 23 मई को करो या मरो के मुकाबले में लखनऊ सुपर जाएंट्स का इकाना में सामना करना है। इसके लिए पंजाब की टीम लखनऊ पहुंच चुकी है।लगता है भाभीजी का गिफ्ट है...समरीन और अर्शदीप जैसे ही एयरपोर्ट के गेट से बाहर आए, पैपराजी ने दोनों को स्पॉट कर लिया। इंस्टैंट बॉलीवुड नाम के इंस्टाग्राम पेज ने इसका वीडियो शेयर किया है। अर्शदीप के हाथों में टेडी दिखा। उन्होंने कैप्शन में लिखा, श्लगता है भाभीजी का गिफ्ट है, तभी टेडी को दिल से चिपका रखा है। टेडी को इतना दिल से संभाला है, तो भाभीजी को कितना प्यार करते होंगे। अर्शदीप बैग लेकर बाहर निकले, जबकि उनके पीछे कोई कर्मचारी ट्रॉली बैग लेकर निकलता दिखा।

कौन हैं समरीन कौर?

समरीन कौर एक पंजाबी एक्ट्रेस और मॉडल हैं, जो 2018 की मिस इंडिया फाइनलिस्ट रह चुकी हैं। वह मूल रूप से जम्मू–कश्मीर की रहने वाली हैं और उन्होंने पुणे के सिम्बायोसिस कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स से पढ़ाई की है। समरीन ने कई म्यूजिक वीडियो, हिंदी और पंजाबी फिल्मों में काम किया है और अपनी अलग पहचान बनाई है। समरीन कौर ने 83 में रणवीर सिंह के साथ काम किया था। इसके अलावा वह 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' में भी नजर आ चुकी हैं। फिल्म 'नेल पॉलिश' के बाद उन्हें अच्छी पहचान मिली। उन्होंने बादशाह और जस मानक जैसे कलाकारों के साथ भी काम किया है।

नहीं हुई कोई आधिकारिक पुष्टि

इन सभी कयासों के बावजूद, न तो अर्शदीप सिंह और न ही समरीन कौर की ओर से इस रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने आया है। इस वजह से यह मामला अभी सिर्फ अफवाहों और फैंस के अनुमान तक ही सीमित है।

ईस्ट बंगाल बना आईएसएल चैंपियन

स्पोर्ट्स डेस्क। ईस्ट बंगाल ने इंटर काशी पर 2–1 की जीत के साथ देश की शीर्ष टियर प्रतियोगिता में 22 वर्षों से चला आ रहा खिताब का सूखा समाप्त किया। ईस्ट बंगाल इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) का खिताब अपने नाम करने में सफल रहा। ईस्ट बंगाल एफसी गुरुवार को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल चौंपियन बना। इसके साथ ही देश की इस शीर्ष टियर प्रतियोगिता में उसका 22 साल से चला आ रहा खिताब का सूखा खत्म हो गया। खिताब के लिए शीर्ष पांच टीम के बीच हुए रोमांचक मुकाबले के बीच ईस्ट बंगाल ने बाजी मारी। ईस्ट बंगाल ने किशोर भारती क्रीड़ांगन में इंटर काशी पर कड़े मुकाबले में 2–1 की जीत के साथ खिताब अपने नाम किया। वहीं, मोहन बागान ने युवा भारती क्रीड़ांगन में स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली को 2–1 से हराया। ईस्ट बंगाल के अलावा मोहन बागान, मुंबई सिटी एफसी, पंजाब सिटी और बेंगलुरु एफसी अंतिम दौर के मुकाबलों से पहले खिताब के दावेदारों में शामिल थे। मुंबई एफसी ने पंजाब एफसी को 2–0 से हराया, जबकि ओडिशा एफसी और जमशेदपुर एफसी के बीच मुकाबला गोल रहित ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

जीत के लिए ईस्ट बंगाल को करनी पड़ी मेहनत

ईस्ट बंगाल को आखिरी मिनट तक कड़ी मेहनत करनी पड़ी। अल्फ्रेड के शानदार गोल ने 15वें मिनट में इंटर काशी को बढ़त दिला दी। मध्यांतर से पहले बराबरी करने के कई मौके गंवाने के बाद ईस्ट बंगाल ने 50वें मिनट में स्ट्राइकर यूसुफ एजेजारी के गोल से बराबरी हासिल की। यूसुफ एजेजारी गोल्डन बूट के विजेता भी हैं। उन्होंने 13 मैच में 11 गोल करके लीग के सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी के तौर पर अपनी जगह बनाई।

मोहम्मद राशिद ने 73वें मिनट में ईस्ट बंगाल के लिए दूसरा गोल किया और कोलकाता के इस दिग्गज क्लब ने शानदार अंदाज में मैच का पासा पलटते हुए खिताब जीता। ईस्ट बंगाल ने पिछली बार 2003–04 सत्र में तत्कालीन राष्ट्रीय फुटबॉल लीग के दौरान स्वर्गीय सुभाष भौमिक के मार्गदर्शन में शीर्ष स्तर की घरेलू लीग का खिताब जीता था।

मलयेशिया मास्टर्स में समाप्त हुआ अश्मिता चालिहा का सफर क्वार्टर फाइनल में मिली हार

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत की बैडमिंटन खिलाड़ी अश्मिता चालिहा का मलयेशिया मास्टर्स में शानदार अभियान क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। अश्मिता को महिला एकल वर्ग में लाइन होजमार्क कजर्सफेल्ड के हाथों शिकस्त मिली। भारत की अश्मिता चालिहा का मलयेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल में शानदार सफर शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में हार के साथ थम गया।

चालिहा ने हालांकि डेनमार्क की विश्व में 23वें नंबर खिलाड़ी लाइन होजमार्क कजर्सफेल्ड के सामने कड़ी चुनौती पेश की। चोट से उबरने के बाद वापसी करने वाली विश्व में 71वें रैंकिंग की भारतीय खिलाड़ी ने कड़े संघर्ष के बाद शुरुआती गेम जीता, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाईं और एक घंटे से थोड़ा अधिक समय तक चले मुकाबले में आठवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी से 23–21, 18–21, 11–21 से हार गईं।

चालिहा ने की थी शानदार शुरुआत

चालिहा ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले गेम में इंटरवल तक 11–6 की बढ़त बना ली। लाइन इसके बाद वापसी करके 19–18 से आगे हो गईं, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने संयम बनाए रखा और गेम अपने नाम कर लिया। दूसरा गेम भी कुछ इसी तरह चला, जिसमें चालिहा ने एक बार फिर 10–5 की बढ़त बना ली, लेकिन डेनमार्क की खिलाड़ी ने 13–13 से बराबरी कर ली। इसके बाद लाइन ने मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। अंतिम गेम पूरी तरह से एकतरफा रहा क्योंकि लाइन ने शुरुआत में ही 8–4 की बढ़त बनाकर अपना दबदबा कायम कर लिया और चालिहा को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

कौन हैं भारतीय पर्वतारोही तुलसी रेड्डी? माउंट एवरेस्ट को फतह कर हासिल किया है बड़ा कीर्तिमान

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय पर्वतारोही तुलसी रेड्डी ने बड़ा कीर्तिमान हासिल कर लिया है। तुलसी ने माउंट एवरेस्ट की चोटी को सफलतापूर्वक फतह कर लिया है। कई लोगों के लिए माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना सबसे बड़ा रोमांच होता है, लेकिन भारतीय पर्वतारोही तुलसी रेड्डी पालपुनूरी के लिए यह दृढ़ता, अनुशासन, बदलाव और लगन की एक ऐसी यात्रा बन गई जिसने लोगों को प्रेरित किया। हैदराबाद के पास बोवरमपेट गांव के रहने वाले तुलसी ने वर्षों के अनुशासन, प्रशिक्षण और लगातार तैयारी के बाद सफलतापूर्वक माउंट एवरेस्ट की चोटी फतह की।

कई चुनौतीपूर्ण चोटियों पर कर चुके हैं चढ़ाई

तुलसी की कहानी को जो बात प्रेरित करने वाली बनाती है वह यह है कि इसकी शुरुआत कितने साधारण तरीके से हुई थी। कभी खाने–पीने के शौकीन रहे तुलसी बस फिट होना चाहते थे। धीरे–धीरे जिम में वर्कआउट और स्वस्थ जीवनशैली एंड्यूरेंस खेल और पर्वतारोहण के प्रति जुनून में बदल गई। समय के साथ उन्होंने कई स्थानीय दौड़, कठिन आयरनमैन चुनौती और दुनिया भर में कई ऊंची चोटियों पर चढ़ाई के अभियान पूरे किए। इस सफर के दौरान तुलसी ने दुनिया भर की कई चुनौतीपूर्ण चोटियों पर चढ़ाई की जिनमें माउंट एल्ब्रस (5,642 मीटर), एकॉनकागुआ (6,961 मीटर), माउंट किलिमंजारो (5,895 मीटर) और कांग यात्से (6,400 मीटर) शामिल हैं।

तुलसी ने कहा, एवरेस्ट पर चढ़ना वर्षों के अनुशासन, त्याग और लगातार तैयारी का नतीजा है। यह उपलब्धि उन सभी लोगों की है जिन्होंने इस पूरी यात्रा के दौरान मेरा साथ दिया। उन्होंने इस पूरी यात्रा में अपना साथ देने के लिए अपने परिवार, शेरपा टीम, दोस्तों और 'बूट्स एंड क्रैम्पॉन्स' के अभियान गाइड भरत थम्मिनेनी और रोमिल बर्थवाल को श्रेय दिया। परिवार ने कहा, आज हमारे परिवार के लिए सबसे गर्व के पलों में से एक है। वर्षों के त्याग, साहस और दृढ़ संकल्प ने आखिरकार तुलसी को दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर पहुंचा दिया है।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।